बालाघाट
रविवार 06 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 281
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

भंडारी भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित

नई दिल्ली। ईडी के अनुसार, भंडारी 2016 में ब्रिटेन भाग गया था। उसके प्रत्यर्पण की भारत की याचिका को हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने खारिज कर दिया था। ईडी ने आयकर विभाग द्वारा 2015 के काला धन निरोधक कानून के तहत उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए फरवरी 2017 में भंडारी और अन्य के खिलाफ धन शोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने 2020 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। अब दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका को स्वीकार करते हुए ब्रिटेन स्थित हथियार डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने यह आदेश पारित किया है। इससे पहले, संजय भंडारी के वकील ने ईडी द्वारा उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि ब्रिटेन में उसका निवास वैध है क्योंकि लंदन उच्च न्यायालय ने उसे भारत प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया है।

पुंछ में आतंकी ठिकाना ध्वस्त

पुंछ। पुंछ में सुरनकोट तहसील के बैहराम गल्ला के डैर क्षेत्र में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियार और सामान बरामद हुए हैं। सुरक्षाबलों ने बताया कि इस ठिकाने से तीन हैंडग्रेनेड, गोलियां, चार्ज लीड, सरिया राड, वायर कटर, चाकू, पैंसिल सैल, लाइटर सहित कई अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह तलाशी अभियान इलाके में सुरक्षा हालात की समीक्षा और आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के तहत चलाया गया था। सुरक्षा बलों की सतर्कता और कड़ी मेहनत के चलते यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है।

सुखबीर बादल तनखैया घोषित

लुधियाना। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम और शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल को एक बार फिर तनखैया (सिख धर्म में तनखैया का मतलब होता है धार्मिक गुनहगार)घोषित किया गया है। शनिवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब से ये आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सुखबीर बादल को 2 बार अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद ये फैसला लिया गया।

बीजापुर में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया है। जवानों ने शनिवार को सुबह मारे गए नक्सली का शव और हथियार बरामद किया है। बताया जा रहा है कि 4 जुलाई की रात से रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। मामला नेशनल पार्क एरिया का है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ रात से ऑपरेशन जारी है। पुरुष नक्सली मारा गया है। जवानों की टीम अभी मौके पर मौजूद है। जवानों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में नक्सलियों के बड़े कैडर्स की मौजूदगी है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

मराठी एकता रैली के दौरान 20 साल बाद एक मंच पर आए उद्धव और राज ने कहा- हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं

अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी, तो हम गुंडे हैं

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में रैली की। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लडऩा गुंडागर्दी तो हम गुंडे हैं। उद्धव और राज 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

उन्होंने कहा कि ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। हमारे बच्चे ही नहीं, सभी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ें- हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े। दक्षिण में स्टालिन, कनमोझी, जयललिता, नारा लोकेश, आर रहमान, सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। रहमान ने डायस छोड़ दिया जब एक वक्ता ने हिंदी में बोलना शुरू किया। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे।

अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएं

राज ठाकरे ने कहा कि चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

तो हां, हम गुंडे हैं

उधव ठाकरे ने कहा कि 1992 में जब मुंबई में हिंसा फैली थी, तो यहां के मराठी लोगों ने हिंदुओं की जान बचाई थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बोला है कि वह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। तो उन्हें बता देना चाहता हूं कि अगर वह अपनी भाषा (मराठी) को लेकर गुंडागर्दी करेंगे तो फिर हम भी गुंडे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के वक्त हमने मुंबई के लिए लड़ाई लड़ी। उस समय के राजनेता नहीं चाहते थे कि महाराष्ट्र में मराठी हों। अब केंद्र की मोदी सरकार कहती है कि हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान। हमें हिंदू और हिंदुस्तान तो चाहिए लेकिन जबरदस्ती हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपकी सात पीढियां भी अगर हम पर हिंदी थोपेंगी तब भी हम ऐसा होने नहीं देंगे।

हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया गया

उद्धव ठाकरे ने कहा, आज कई बाबा ज्योतिषी व्यस्त हैं। कोई हमारी कुंडली देख रहा है, ये जानने के लिए की हम (राज-उद्धव) साथ आएंगे। हम दोनों ने इसका अनुभव किया है कि किस प्रकार हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया जाता है। आज हम दोनों साथ हैं। हम दोनों भाईयों के स्कूल बच्चों के स्कूल के बारे में कहा, लेकिन नरेंद्र मोदी किस स्कूल में पढ़े थे।

भाषा विवाद पर मुंबई में हंगामा

इन्वेस्टर सुशील केडिया के ऑफिस पर एमएनएसका पथराव, माफी मांगनी पड़ी

राज्य की राजभाषा मराठी को लेकर चल रहे विवाद ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया। मशहूर इन्वेस्टर सुशील केडिया के वर्ली स्थित ऑफिस पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ताओं ने हमला किया। इस दौरान राज ठाकरे के समर्थन में नारेबाजी भी हुई। पुलिस ने मौके से 5 एमएनएस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

यह हमला 3 जुलाई को सुशील केडिया की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हुआ, जिसमें उन्होंने मराठी भाषा सीखने से इनकार किया था और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे को निशाने पर लिया था।

पोस्ट में लिखा - मराठी नहीं सीखूंगा

केडिया ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मैं मराठी नहीं जानता और राज ठाकरे जैसे लोगों के घोर दुर्व्यवहार के कारण मैंने संकल्प लिया है कि मैं मराठी नहीं सीखूंगा। उन्होंने यह भी जोड़ा क्क जब तक ऐसे लोगों को मराठी मानुष की देखभाल करने की परमिशन है, मैं अपनी प्रतिज्ञा नहीं तोड़ूंगा। क्या करना है, बोलो?

देशपांडे ने दी तीखी प्रतिक्रिया

केडिया की इस पोस्ट पर मनसे नेता संदीप देशपांडे ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, अगर आप व्यवसायी हैं, तो व्यवसाय करें। हमारे पिता बनने की कोशिश न करें। अगर महाराष्ट्र में मराठी का अपमान करेंगे तो तमाचा पड़ेगा। अपनी हद में रहो, चाहे तुम केडिया हो या मेहता।

ऑफिस पर पथराव, तोड़फोड़, नारेबाजी

शनिवार सुबह एमएनएस कार्यकर्ता वर्ली स्थित केडिया के ऑफिस पहुंचे और तोड़फोड़ व पथराव किया। राज ठाकरे जिंदाबाद के नारे लगाए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और 5 हमलावरों को हिरासत में लिया गया। घटना के कुछ घंटे बाद केडिया ने एक वीडियो पोस्ट कर माफी मांगी।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

पीएनबी घोटाले में सीबीआई-आईडी की अपील पर एक्शन

नई दिल्ली(ईएमएस)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक और अहम आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल दीपक मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी भारत की प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की संयुक्त अपील पर अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा 4 जुलाई को की गई। इसे भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले की जांच में एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता माना जा रहा है।

नेहल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है और अब उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अमेरिका में शुरू हो चुकी है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दायर शिकायत के मुताबिक, नेहल मोदी के खिलाफ दो मुख्य आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की कार्यवाही की जा रही है। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने अपने भाई नीरव मोदी की मदद करते हुए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई को छुपाया और उसे शेल कंपनियों और विदेशी लेनदेन के जरिए इधर-उधर किया। प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में नेहल मोदी को सह-आरोपी के तौर पर नामित किया गया है, और उस पर सबूत मिटाने का भी आरोप है।

प्रत्यर्पण पर अगली सुनवाई 17 जुलाई को

नेहल मोदी के प्रत्यर्पण मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई 2025 को तय की गई है, जिसमें स्टेटस कॉन्फ्रेंस होगी। इस दौरान नेहल मोदी की ओर से जमानत याचिका भी दायर की जा सकती है, जिसका अमेरिकी अभियोजन पक्ष विरोध करेगा। यह गिरफ्तारी भारत की जांच एजेंसियों के लिए न केवल एक रणनीतिक उपलब्धि है, बल्कि इससे पीएनबी घोटाले की तह तक पहुंचने और दोषियों को कानून के शिकंजे में लाने की प्रक्रिया को भी बल मिलेगा।

भारत-अमेरिका टैरिफ डील पर राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

पीयूष गोयल चाहे अपनी छाती पीट लें, ट्रंप के आगे झुक जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने टैरिफ को लेकर अमेरिका के साथ चल रही भारत की बातचीत को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयानों को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बने गतिरोध के बीच तय समय सीमा के आगे झुक जाएंगे। बता दें कि टैरिफ टाइमलाइन की मियांद 9 जुलाई को खत्म हो रही है। बता दें कि अमेरिका ने भारत के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की बात कही थी। इसके बाद समझौते को लेकर इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया था। वो समय सीमा अब पूरी होने वाली है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर ऐसे वक्त में बयान दिया है, जब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ तभी व्यापार समझौता करेगा जब उसके हितों की रक्षा होगी। पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर 9 जुलाई की समयसीमा से पहले हस्ताक्षर होने की संभावना है। वहीं राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि पीयूष गोयल अपनी छाती पीट लें। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, मोदी ट्रंप की टैरिफ समयसीमा के आगे झुक जाएंगे।

वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए नए संशोधन के अनुसार नियम अधिसूचित

देशभर के सभी राज्यों का ब्यौरा एक ही पोर्टल पर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन मैनेजमेंट, परिदृश्यता, विकास इत्यादि के लिए डेवलपमेंट रूल्स 2025 को अधिसूचित कर दिया है। वक्फ संपत्तियों के लिए पोर्टल और डेटाबेस का काम शुरू हो गया है।इसमें वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव के संबंध में नये नियम लागू कर दिए गए हैं।

नए नियमों के अनुसार केंद्रीकृत पोर्टल मे डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इस पोर्टल में वक्फ से संबंधित सभी जानकारी होगी। सभी वक्फ की संपत्ति और सभी बोर्ड को अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसमें रजिस्टर,रखरखाव हो मुत्तवल्ली इत्यादि की जानकारी अपलोड करनी होगी।ऑडिट रिपोर्ट भी इसी पोर्टल में प्रकाशित की जाएगी। बोर्ड के जो आदेश होंगे, वह भी पोर्टल पर रहेंगे। केंद्र सरकार द्वारा जो नियम तैयार किए गए हैं।उसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव को पोर्टल की निगरानी और डेटाबेस के संबंध में जिम्मेदारी दी गई है।

पूर्व जस्टिस काटजू के विवादित बोल....

नेताजी जापान के, महात्मा गांधी ब्रिटेन के एजेंट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मार्कंडेय काटजू फिर से विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने जहां नेताजी को जापान का और महात्मा गांधी को ब्रिटिश एजेंट बता दिया। उन्होंने जज के भ्रष्टाचार में शामिल होने को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने न्यायालय की लेटलतीफी पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि नेता जी जापान के लिए काम करते थे। उन्होंने कई बार जापान की मदद की। वास्तव में बोस का इस्तेमाल जापानियों द्वारा हो रहा था, और वे उन्हें तभी मार देते, जब उनकी उपयोगिता खत्म हो जाती। लेकिन साल 1945 में जब जापान ने आत्म समर्पण किया, तब वे कहां चले गए, इसका पता अभी तक नहीं लग सका। इससे शक गहरा गया कि बोस जापान के एजेंट के रूप में काम करते थे।

वहीं जस्टिस काटजू ने गांधी के बारे में कहा कि गांधी जी ब्रिटेन के एजेंट थे और उन्होंने राजनीति में धर्म को घुसाकर देश को बहुत नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार, फूट डालो राज करो नीति पर चलती थी और महात्मा गांधी इस नीति को बढ़ावा देते थे। गांधी जी की नीतियों की वजह से मुसलमानों का झुकाव मुस्लिम लीग की ओर बढ़ा था। गांधी जी ने भगत जी जैसे क्रांतिकारी के आंदोलन से ध्यान भटकाकर लोगों को सत्याग्रह की तरफ मोड़ दिया। काटजू ने गांधी के आर्थिक विचारों को प्रतिक्रियावादी और नोआखली जाने को भी पूरी तरह से ढोंग बताया।

नेशनल हाईवे पर अब लगेगा आधा टोल टैक्स

-सरकार ने इसमें 50 प्रतिशत की कटौती की

नई दिल्ली। सरकार ने नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की है। यह कटौती विशेष रूप से उन हाईवे पर हुई है जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड स्ट्रेच मौजूद हैं। यहां यात्रा करने के लिए अब कम टोल चुकाना होगा। इससे सफर की लागत घटेगी। सरकार ने नेशनल हाईवे पर उन हिस्सों के लिए टोल टैक्स को 50 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जहां पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रास्ते हैं। यानी अब इन रास्तों पर सफर करना पहले से सस्ता हो जाएगा।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक सीनियर अफसर के अनुसार पुराने नियमों के चलते हर किलोमीटर में किसी स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सामान्य टोल फीस का 10 गुना चार्ज देना पड़ता था। यह तरीका उस इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत पूरा करने के लिए बनाया गया था। अब नए नियमों में यह टोल टैक्स करीब 50 प्रतिशत तक घट जाएगा।

टोल टैक्स कम करने का फॉर्मूला

नए नियम के तहत, टोल की गणना दो तरीकों से होगी और जो कम होगा, वही लागू होगा। अगर राजमार्ग का कोई हिस्सा पुल या सुरंग जैसी संरचना है, तो टोल की गणना के लिए संरचना की लंबाई को 10 गुना करके सामान्य सडक़ की लंबाई में जोड़ा जाएगा, या फिर पूरे हिस्से की लंबाई को 5 गुना किया जाएगा। इनमें से जो कम होगा, उसी के आधार पर टोल लिया जाएगा। खास तौर पर उन लोगों को फायदा होगा जो ऐसे राजमार्गों पर सफर करते हैं, जहां 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा पुल, सुरंग या फ्लाईओवर जैसे ढांचों का है। मिसाल के तौर पर, द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे रास्तों पर टोल पहले 317 रुपए था, जो अब 153 रुपए हो सकता है। इससे आम यात्रियों और कॉमर्शियल वाहन वालों को काफी राहत मिलेगी।

यह बदलाव इसलिए

सरकार का मकसद यात्रियों की यात्रा लागत को कम करना है, खासकर उन रास्तों पर जहां ढांचों की लागत ज्यादा होने की वजह से टोल ज्यादा वसूला जाता था। यह कदम खासकर शहरों के आसपास के बाइपास और रिंग रोड्स पर सफर करने वालों के लिए फायदेमंद होगा। यह नियम सिर्फ उन राजमार्गों पर लागू होगा जहां 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा संरचनाओं (जैसे पुल, सुरंग, फ्लाईओवर) से बना है। सामान्य सडक़ों पर टोल पहले जैसा ही रहेगा। यह नियम लागू हो चुका है, और यात्रियों को जल्द ही इन रास्तों पर कम टोल देना शुरू करना होगा। खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे हाई-प्रोफाइल रास्तों पर इसका असर साफ दिखेगा।

देश में बढ़ रही है गरीबों की संख्या, ये नहीं होना चाहिए' - केंद्रीय मंत्री गडकरी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गरीबों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है,ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, श्री गडकरी ने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (क्क्क्क) सहित कई मुद्दों पर बात की।

उन्होंने कहा, 卐धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है. ऐसा नहीं होना चाहिए. अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। 卐

उन्होंने कहा, 卐हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने भारत की आर्थिक संरचना का किया उल्लेख - केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन उन्होंने अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, 卐हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए.卐 भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (डीजीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर भी इशारा किया।

उन्होंने कहा, विनिर्माण क्षेत्र 22-24 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने के बावजूद, केवल 12 प्रतिशत योगदान देती है।卐

अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं सीए- गडकरी

इस दौरान उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की उभरती भूमिका पर भी प्रकाश डाला। गडकरी ने कहा, 卐सीए अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है। यह केवल आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित नहीं है।

बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बात करते हुए, गडकरी ने परिवहन क्षेत्र में अपनी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया, मैंने ही सड़क निर्माण के लिए 'निर्माण-परिचालन-हस्तांतरण' तंत्र की शुरुआत की थी।

मेरे पास धन की नहीं, काम की कमी है- गडकरी

गडकरी ने कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्होंने कहा, अभी हम टोल बूथों से करीब 55,000 करोड़ रुपये कमाते हैं और अगले दो साल में हमारी आय 1.40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। अगर हम इसे अगले 15 साल तक मौद्रिकृत करते हैं तो हमारे पास 12 लाख करोड़ रुपये होंगे। नए टोल से हमारे खजाने में और पैसा आएगा।

जनपद पंचायत में आयोजीत हुई शिक्षा समिति की बैठक

स्कूलों की अव्यवस्थाओं को लेकर हुई चर्चा, स्कूलों तक नहीं पहुंच रहे शिक्षक, अपनी स्कूल को छोड़कर दूसरी स्कूल में जा रहे छात्र-छात्रा पढ़ने, मामला समनापुर संकुल के स्कूल का, सेवानिवृत होने के बाद शिक्षक ने मध्यान भोजन बनाने का गैस और चूल्हा ले गए अपने घर, बैठक में उठा मुद्दा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत बालाघाट में शिक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें सभापति सहित अन्य सदस्यों ने शिक्षा समिति की बैठक में कई क्षेत्रों के स्कूलों में चल रही अव्यवस्थाओं को लेकर स्कूलीय सदस्य और संबंधित अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी। जिसमें कई सदस्यों ने बताया कि आज भी उनके क्षेत्र में स्कूल खस्ताहाल पड़े हुए हैं जहां पर बच्चों का बैठना तक संभव नहीं है , कई स्कूल ऐसे भी हैं जहां पर शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं । जिस कारण आज बच्चों को अपनी स्कूल छोड़कर दूसरी स्कूल में पढ़ाई करना पड़ रहा है। कई स्कूलों में मध्यान भोजन बनाए जाने वाले सामानों की कमी है । ऐसी कई समस्या जनपद सदस्यों द्वारा शिक्षा समिति की बैठक में रखा गया और तुरंत ही नवनिर्मित भवनों को पूर्ण करने के लिए प्रस्ताव बनाए गए।

आपको बता दे की 5 जुलाई को जनपद पंचायत बालाघाट में शिक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जनपद पंचायत बालाघाट के संबंध स्कूल प्राचार्य और शिक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति में यह बैठक हुई । जिसमें शिक्षा समिति के सभापति सहित सदस्यों ने इन दिनों संचालित हो रही स्कूल और शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए और बताया कि उनके क्षेत्र में इन दिनों शिक्षा को लेकर उतनी अच्छी व्यवस्था नहीं है । जबकि देखा जाए तो शासन से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नई-नई योजनाएं और छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है , लेकिन उनके क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था उतनी अच्छी नहीं है । आज स्कूलों तक शिक्षक नहीं पहुंच पा रहे हैं । बच्चों को अपनी स्कूल छोड़कर दूसरी स्कूल में जाकर शिक्षा अध्ययन करना पड़ रहा है । कई जगह जर्जर स्कूलों के कारण बच्चे स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं , तो कई स्कूल ऐसे भी है जहां शिक्षक ही समय पर स्कूल नहीं जा रहे हैं । मध्यान भोजन की भी व्यवस्था उनके क्षेत्र में उतनी अच्छी नहीं है। इन सब विषय को लेकर शिक्षा समिति की बैठक में चर्चा चलती रही। मध्यान भोजन के लिए बनाए गए किचन सेड की भी चर्चा बैठक में की गई। जहां संबंधित विभाग के अधिकारियों ने भी माना की सही में क्षेत्र में स्कूलों में बनाए गए मध्यान भोजन के किचन सेड उतने अच्छे नहीं है। जिनमें काम करने की आवश्यकता है । कुछ वर्ष पहले बने नये स्कूल की भी स्थिति अब धीरे-धीरे खराब होते जा रही है और स्कूल टपक रहे हैं । जिस पर भी संज्ञान लेने की चर्चा बैठक में की गई।

किचन सेड की स्थिति सबसे अधिक खराब है - अब्दुल हक खान

जनपद सदस्य अब्दुल हक खान द्वारा बताया गया कि जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत स्कूलों में सबसे ज्यादा किचन सेड की स्थिति सबसे अधिक खराब है। इन दिनों किचन सेड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं । किचन सेड पंचायत के माध्यम से बनाए गए थे , आज किचन सेडों की स्थिति बहुत खराब हैं यहाँ मध्यान भोजन नहीं बनाया जा सकता। मध्यान भोजन में वर्ष 2015-16 में बर्तन आए थे , उसके बाद मध्यान भोजन के लिए बर्तन नहीं आए हैं। जबकि कई वर्षों से विभाग में राशि तो आ रही है, पर वह राशि स्कूलों तक नहीं पहुंच पा रही है । आज भी बच्चे अपने घरों से भोजन के लिए थाली लेकर आ रहे हैं जो की सही नहीं है । आज समूह के सदस्यों को अपने स्तर पर बर्तन खरीद कर लाना पड़ रहा है । उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2022 में कुछ नये स्कूलों की स्वीकृति मिली थी और उनकी एक किस्त भी जारी हुई थी , किंतु उसके बाद कई स्कूल वैसे ही अधर में लटके हुए हैं और उनकी राशि अभी तक जारी नहीं हुई है ।

स्कूलों में शिक्षक बिना बताए ही अनुपस्थित हो जाते हैं - शंकरलाल बिसेन

जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन बताते हैं कि उन्होंने अपने क्षेत्र अंतर्गत कुछ स्कूलों का भ्रमण किया , जहां उन्होंने पाया कि आज बहुत से स्कूल ऐसे हैं जहां पर शिक्षक समय पर नहीं पहुंच रहे हैं और ऐसी स्थिति में कुछ स्कूलों के बच्चे अपनी स्कूल को छोड़कर दूसरी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने जा रहे हैं। एक स्कूल में मध्यान भोजन के लिए आए गैस सिलेंडर और चूल्हे को सेवानिवृत शिक्षक के द्वारा अपने घर ले जा लिया गया, जो कि बहुत ही गंभीर विषय था, यह चाचेरी टोला स्कूल का मामला है , उसको लेकर भी उन्होंने हस्तक्षेप किया है। आज सरकार की मंशा अनुरूप क्षेत्र में शिक्षा को लेकर उतने अच्छा कार्य नहीं हो रहा है, बहुत स्कूल आज खस्ताहाल हो चुके हैं । मरम्मत की आवश्यकता है , तो वहीं बहुत से स्कूलों में शिक्षक बिना बताए ही अनुपस्थित हो जाते हैं । जिससे कि बच्चों को इसका खामियाजा उठाना पड़ रहा है । कई स्कूल ऐसे भी है जहां पर बच्चों की संख्या बहुत कम है , तो शिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है । कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जहां बच्चों की संख्या अधिक होने के बाद, वहां पर्याप्त शिक्षक नहीं है । ऐसी कई खामियां उनके क्षेत्र में उन्होंने भ्रमण के दौरान देखने को मिली ।

महिला ने गांव के ही 35 वर्षीय युवक पर जबरन दुष्कर्म करने का आरोप लगाकर थाने मे दर्ज करवाया मामला

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना किरनापुर अंतर्गत आने वाली एक ग्राम की पीड़ित महिला उम्र 32 वर्ष के द्वारा पुलिस थाने मे रिपोर्ट करते हुए बताया कि ग्राम के ही धनंजय पिता श्री राम ठाकरे के द्वारा घर में आकर अकेलेपन का फायदा उठाकर मेरे साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाकर दुर्व्यवहार किया। जिसकी जानकारी पीड़िता ने अपने परिजनो को बताई उसके उपरांत परिवार वालों के साथ किरनापुर थाना पहुंचकर पुलिस वालों के सामने अपनी व्यथा सुनाई जिस पर पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 332 (बी),64(1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को शिकायत करती हुए पीड़िता ने बताया कि ग्राम का ही धनंजय पिता श्रीराम ठाकरे जाति कुनबी उम्र करीबन 35 साल निवासी ने मेरे साथ गलत काम (बलात्कार) किया है । पीड़िता ने बताया कि उसने बीए तक पढ़ाई की हैं। सिलाई का काम करती हैं। मेरे घर पर मेरी सास , ससुर , पुत्र उम्र 07 पुत्री उम 04 साल रहते है। मेरे पति व देवर मजदूरी के चलते कर्नाटक में रहते है। दिनांक 30/06/2025 को मेरे सास ससुर दोनो खेत पर काम करने गये थे। दोनो बच्चे गांव में खेलने गये हुये थे। मैं घर पर अकेले काम कर रही थी। घर का दरवाजा बंद था कि दोपहर करीबन 2 बजे दरवाजा खटखटाने की आवाज आई जी मैने घर का दरवाजा खोली तो गांव का धनंजय पिता श्रीराम ठाकरे मेरे दरवाजे के सामने खड़ा था। मैने धनंजय ठाकरे को बोली की क्या हुआ तो धनंजय ने कहा की मुझे पीने के लिये पानी चाहिये तो में पानी लेने के लिये किचन में चली गई जो पीछे से धनंजय मेरे घर के अंदर आ गया और मेरे घर का दरवाजा अंदर से लगा दिया। मैं चिल्लाने लगी तो धनंजय ने मेरा मुंह दबा दिया और जबरदस्ती मुझे घसीटते हुये पीछे वाले कमरे में लेकर गया और मेरे साथ जबरदस्ती गलत काम (बलात्कार) किया। जैसे तैसे मैंने चिल्लाई तो मेरी आवाज सुनकर मेरे बड़े ससुर और गांव की एक महिला आ गये। मेरे बड़े ससुर ने धनंजय को पकड़ लिये जो धनंजय बड़े ससुर को धक्का देकर वहा से भाग गया। फिर मैंने सास,ससुर के खेत से वापस आने पर उनको पूरी घटना बताई व फोन करके अपने पति को घटना की पूरी जानकारी दी। मेरी बदनामी होगी सोचकर उस दिन मैं रिपोर्ट लिखवाने थाने पर नहीं गई थी। आज दिनांक 03/07/2025 को पति के कर्नाटक से वापस आने पर पति के साथ थाने पर धनंजय ठाकरे के विरुध्द रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वही पुलिस ने मामले मे कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

सीएमएचओ डा. उपलप ने किया मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक मलाजखंड का निरीक्षण

एक माह से अनुपस्थित डाक्टर को कारण बताओ नोटिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप द्वारा मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक मलाजखंड का शनिवार को सघन निरीक्षण किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ लोकेश गैडाम विगत एक माह से अनुपस्थित पाए गए, सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही के कारण बताओ नोटिस जारी किया गया.विजिट के दौरान जिला डीईआईसी प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती भी साथ में थे । विजिट के दौरान पाया गया कि रनर बाय के द्वारा बिना कोल्ड चेन के सेंपल ले जाया जा रहा है।आयुष्मान आरोग्य मंदिर में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निधि सिंगरौरे द्वारा रिकार्ड संधारण नहीं किया जा रहा है जिस पर गहरी नाराजगी सीएमएचओ द्वारा व्यक्त की गई सबंधित सीएचओ के विरुद्ध कार्य में घोर लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए.ओपीडी में विगत माह मई-जून का कोई भी डेटा संधारण नहीं है। रिकार्ड ठीक करने तीन दिन का समय दिया गया अन्यथा एक माह का वेतन होल्ड करने के निर्देश दिये गए।

नाम परिवर्तन संबंधी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मै अरविन्द वारिवा पिता श्री मनीराम वारिवा, ग्राम चारटोला,पोष्ट तहसील मलाजखण्ड, जिला बालाघाट (म.प्र.) का मूल निवासी हुँ। मेरे आधार कार्ड 520117622638 है उसमें मेरा नाम अरविन्द दर्ज है, जबकि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस MP50N-2017-0068103 इसमे मेरा नाम अरविन्द वारिवा दर्ज है। अत: मेरे ड्राइविंग लाइसेंस मे दर्ज नाम **अरविन्द वारिवा** के स्थान पर केवल **अरविन्द** रखना चाहता हुं जैसा कि मेरे अन्य दस्तावेजों मे दर्ज है ताकि भविष्य में मुझे नाम से संबंधित कोई परेशानी न हो।

अरविन्द वारिवा
ग्राम चारटोला तह.मलाजखण्ड
जिला बालाघाट(म.प्र.)

आवश्यकता है
होटल में अनुभवी कर्मचारियों की वेतन 4 अंकों में
-संपर्क करें-
होटल सिटी प्राईड
बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाजु में मेन रोड बालाघाट
मो. 9827116521

मकान अर्जेंट बेचना है
वार्ड न. 15 डॉक्टर शिवपवार के पास गौली मोहल्ला बालाघाट में स्थित लगभग 20 X 86 में निर्मित दो मंजिला मकान अर्जेंट बेचना है।
- संपर्क -
9425157268
9407888854

शहीदे कर्बला की याद में भरवेली में लंगर ए हुसैना संपन्न

करीब 16 वर्षो से मोहर्रम की 9 तारीख को लंगर की चली आ रही परंपरा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन और उनके 72 जानिसारो की शहादत का पर्व मुहर्रम 26 जून से जिले सहित पूरी दुनिया में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मनाया जा रहा है। जिसके तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम भरवेली में उर्दू माह मोहर्रम की 9 तारीख को शहीदे कर्बला की याद में लंगर ए हुसैन का आयोजन किया गया। जहां पिछले 16 वर्षों से

चली आ रही परंपरा को निभाते हुए सभी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्व समाज, सभी धर्म के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बताया गया कि उर्दू माह मोहर्रम की 9 तारीख को प्रतिवर्ष ग्राम भरवेली में हिंदू मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे को ध्यान में रखते हुए सभी के सहयोग से यादे हुसैना लंगर ए आम का आयोजन किया जाता है।16 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूर्ण अकीदतो के साथ, सभी समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से निभाया है। वही मोहर्रम की 10 तारीख 6 जुलाई दिन रविवार को भी भरवेली में जगह-जगह शरबत व खीचड़ा वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान शकील बाबा ,आनंद मेश्राम, इकबाल खान, परवेज खान, राकेश वाहने, सिद्दीक खान, जाहिद अली, हाजी इस्राइल कुरैशी साहब, विपुल चौरे, नितिन गेडाम, दीपक चंदेले, समीर खान, मोबिन खान, फारुख शेख, हाफिज शमीम खान साहब, अदनान खान, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज अमनो अमान के पैगाम के साथ निकला जाएगा शाही संदल

हजरत हक्कू शाह बाबा दरगाह मे चादर पेश कर मांगी जाएगी सामुहिक दुवाए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। हर साल की तरह इस साल भी सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती का सालाना उर्स पूर्ण अकीदतो, हर्षोल्लास और विधि विधान के साथ मनाया जा रहा हैं।बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर उर्स कमेटी द्वारा मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को दुल्हन की तरह सजाकर रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं. जहां हर साल की तरह इस साल भी रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर 9 जुलाई की रात कव्वाली व कुल शरीफ की फातिहा के बाद उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।इसी कड़ी मे हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर रविवार 10 मोहर्रम को हर साल की तरह इस साल भी अमनो अमान के पैगाम के साथ दरगाह शरीफ से शाही संदल निकला जाएगा।जो काली पुतली चौक से- बस स्टैंड, रानी अवंती बाई चौक, वहा से बैहर रोड रजा नगर, वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचकर, वहाँ से अलम और चादर के साथ शाही संदल अंजुमन शादी हॉल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब रोड सहित नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस मेन रोड से दरबार शरीफ पहुचेगा।जहां बाबा को अलम व चादर पेश की जाएगी।जहा बाबा के आस्ताने मे अकीदतों के फूल चादर पेश कर देश व पूरी दुनिया मे अमन चैन शांति, आपसी भाईचारे, मुल्क की तरक्की और अमनो अमान की मन्नते मांगी जारगी।

कादरी परिवार 5 पीढियों से कर रहा खिदमत

हक्कूशाह बाबा दरगाह को कौमी एकता की मिसाल के रूप में प्रदर्शित किया जाता है इसकी खासियत यह है कि दरगाह कमेटी में कुल 17 सदस्य है और इसमें से 7 सदस्य गैरमुस्लिम है जो दरबार के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते है।दरबार की खिदमत कादरी परिवार द्वारा की जाती है लगातार 5 वीं पीढ़ी इस दरबार के

सेवाकार्य में जुटी हुई है। दिवंगत सईद अहमद कादरी ने 70 वर्ष दरबार में खिदमत की है उनके उपरांत उनके बेटे नजीर अहमद कादरी अब लगातार 40 वर्षो से सेवाकार्य को अंजाम दे रहे है इनकी देखरेख में दरबार कमेटी के अंतर्गत संरक्षक श्याम कौशल, अध्यक्ष मंजूर अली, सचिव विनायक टेंभरे, संरक्षक मुक्ता प्रसाद गुप्ता और ख्वाजा गरीब नवाज उर्स कमेटी अध्यक्ष राकेश सिंगारे शामिल है। आयोजित उर्स मुबारक के लिये दरबार को आकर्षक रोशनाई से सजाया गया है और उर्स के मौके पर यहां जायरिनों का मेला सा नजर आता है।

1 जुलाई से रोजाना किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम

हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है।जिसकी शुरुवात 1जुलाई से की गई है।जो आगामी 09 जुलाई तक चलेंगे। 1 जुलाई मंगलवार की सुबह 10 बजे मजार शरीफ का गुसल व परचम कुशाई के साथ उर्स मुबारक की शुरुवात की गई।वहीं 03 जुलाई को जियारते मुए मुबारक व दिगर तबर्रुकात का दीदार कराया गया।इसी क्रम मे 05 जुलाई को सुबह 8बजे कुरान खानी व मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया।तो वही आज 06 जुलाई को सुबह उर्स और यादें हुसैना मनाया जाएगा।वही दोपहर 2 बजे दरबार शरीफ से शाही संदल निकाला जाएगा जो वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचेगा।वहां से अलम और चादर के साथ शाही संदल शहर का गस्त करने के लिए रवाना होगा।जो नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस दरबार शरीफ पहुंचेगा। जहां बाबा को अलम व चादर पेश की जाएगी।वही भरवेली शहर का संदल भी इसी संदल में शामिल होगा। वही दरबार शरीफ मे शमा महफिल का आयोजन होगा।इसी तरह 08 जुलाई मंगलवार की शाम को फूलों का नजराना पेश कर दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई जाएगी।वही शाम को लंगर ए आम का आयोजन होगा। तरह 09 जुलाई बुधवार की रात ईशा की नमाज के बाद उर्स ए मुबारक पर अजीमो शान कव्वाली का आयोजन होगा।जिसमें देश व दुनिया के मशहूर कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी द्वारा कव्वाली के नजराने पेश किए जाएगे।

शासकीय माध्यमिक शाला बुदबूदा में एक पेड़ मां के नाम लगाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय माध्यमिक शाला बुदबूदा के परिसर में वृक्षारोपण अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य सहित समस्त लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित छात्र छात्राओं ,शिक्षक, शिक्षिकाओं के द्वारा विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के छायादार ,फलदार और औषधिदार पौधों का रोपण किया गया। जहां पर उपस्थित विद्यार्थियों को वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए बताया कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ रहा है । वातावरण संतुलन बिगड़ रहा है वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है। जो पृथ्वी के लिए चिंता का विषय है जिसका कारण अंधाधुन वृक्ष की कटाई से है । ऐसे में पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए वृक्षारोपण पौधारोपण अत्यंत जरूरी है। हर किसी को पौधे लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी करना चाहिए। इस अवसर पर एस एम सी अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानवंती निलोरे ,प्रधान पाठक श्रीमती सरस्वती मड़ावी, शिक्षक रतनलाल बिरनवार सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र.छात्राएं मौजूद रहे।

पेटी से रुपए निकालने से गुस्साए एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को डंडे से किया मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिरेगांव में इलाज के लिए ढाई हजार रुपए निकालने से गुस्साये एक व्यक्ति में अपनी पत्नी को डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट में घायल महिला प्रभा बाई पति महेश धनोले 51 वर्ष ग्राम सिरेगाव निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभा बाई धनौले खेती मजदूरी करती है और अपने पति महेश धनौले के साथ में ही रहती है। 4 जुलाई को प्रभा बाई ने तबीयत खराब होने पर अपने पति से बोली की आपने गाय को बेच दिये है। मेरी तबीयत खराब रहती है इलाज के लिए रुपए पैसे नहीं है। यह कहने के बाद प्रभा बाई ने घर में रखी पेटी से अपने इलाज के लिए ढाई हजार रुपए निकाल ली । प्रभा बाई ने पेटी से रुपए निकालने के संबंध में अपने पति महेश धनोले को बता भी दी थी। पेटी से ढाई हजार रुपए निकालने से महेश धनौले आवेश में आकर और उसने अपनी पत्नी प्रभा बाई को अश्लील गालियां देते हुए उसे डंडे से मारपीट कर दिया। डंडे से की गई मारपीट में प्रभा बाई को दोनों जांच घुटना छाती के अलावा अंदरूनी चोंटे आई। मारपीट में घायल महिला प्रभा बाई अपना इलाज करवाने के लिए बस से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंची। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रभा बाई का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लांजी भिजवा दी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

नाला खुलवाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसान

आंवलाझरी पेट्रोल पंप के पास सड़क पर किया चक्काजाम, करीब 2 घंटे तक चला प्रदर्शन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। शनिवार की सुबह बैहर रोड स्थित आवलाझरी पेट्रोल पंप के पास किसानों ने हंगामा मचाते हुए चक्काजाम कर दिया। जहां उन्होंने पानी निकासी की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए नाले से तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की। किसानों का आरोप है कि पेट्रोल पंप के पास से गुजरने वाले नाले से पिछली कई पीढ़ियों से पानी निकासी की व्यवस्था बनी हुई थी, लेकिन किसी भूमि स्वामी ने नाले के उस तरफ पानी निकासी की भूमि पर भरन कर दिया है। जिसके चलते नाले से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। स्थानीय किसानों ने अपना आक्रोश जताते हुए सड़क पर उतरकर चक्कजाम कर दिया। जहां स्थानीय विधायक के दखल के बाद दो जेसीबी मंगा कर नाले के पास से पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई। तब कहीं जाकर करीब 2 घंटे बाद किसानों ने चक्काजाम आंदोलन समाप्त किया।

प्रशासन की समझाईश पर भी नही माने किसान जारी रखा प्रदर्शन

चक्कजाम प्रदर्शन में शामिल किसानों का आरोप है कि पानी निकासी की व्यवस्था बनाने की मांग को लेकर स्थानीय किसानों ने कई बार आवेदन निवेदन किया है ।जगह जगह ज्ञापन सौपने के बाद भी पानी निकासी की व्यवस्था प्रशासन द्वारा नहीं बनाई जा रही है। जिससे किसान आक्रोशित हो गए और उन्होंने गुरुवार की सुबहा 11 बजे सड़क पर उतरकर चक्कजाम कर दिया ।उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझाइश देने की कोशिश की लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। वही मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची विधायक अनुभा मुंजारे ने प्रशासन से कहकर तत्काल दो जेसीबी मंगवाई और नाले के उस तरफ की भरन को हटवा कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई। तब कही जाकर 2 घंटे बाद किसानों द्वारा चक्का जाम आंदोलन समाप्त किया गया।

राहगीर होते रहे परेशान

पानी निकासी की मांग को लेकर किसानों द्वारा किए गए चक्का जाम प्रदर्शन के चलते उक्त मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जहां चक्का जाम के चलते घटना स्थल से बैहर मार्ग और बालाघाट मार्ग दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई ।तो वहीं छोटे बड़े वाहन रोड पर करीब 2 घंटे तक खड़े रहे किसके चलते राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जहां करीब 2 घंटे बाद चक्का जाम खुलने पर स्थानीय रहागीरों ने राहत की सांस ली।

सीएम हेल्पलाइन लगाने पर भी समस्या का नही हुआ समाधान

चक्कजाम प्रदर्शन में शामिल किसान गोपीचंद सोनी, जितेंद्र नगपुरे, और भुवन लिल्हारे सहित सैकड़ों किसानों का आरोप है की नाले से पानी निकासी बंद करने के चलते करीब 400 एकड़ कृषि भूमि में पानी भर गया है। फसल लगाने के बाद दो बार उनकी फसल खेत में सड़ चुकी है ।जबकि पानी निकासी की व्यवस्था बनाने के लिए वे पिछले कई महीनो से आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौप रहे हैं ।इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने नगरपालिका, तहसीलदार, एसडीएम कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय , विधायक कार्यालय यहां तक कि सीएम हेल्पलाइन में तक मामले की शिकायत की है ।लेकिन समस्या का समाधान नही निकल रहा है जिसके चलते उन्हें मजबूरन आज चक्कजाम करना पड़ा।

भूमि मालिक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है सोमवार को सुनवाई होनी है- अहिरवार

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि आज ग्रामीणों ने एकाएक चक्का जाम कर दिया था पूर्व में यहां एक नाला बहता था। वर्तमान में नाला अवरुद्ध स्थिति में है। किसानों का कहना है कि उनकी फसल खराब हो रही है नाले से पानी निकासी की मांग कर रहे हैं। किसानों से मिली शिकायत पर हमने एक सप्ताह पूर्व मौका स्थल का निरीक्षण किया था। जिनकी भूमि है उनको नोटिस जारी कर दिया गया है सोमवार को उनकी सुनवाई होनी है ।एसडीएम कोर्ट में न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद ही आगामी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है उन्होंने बताया कि नक्शे व रिकॉर्ड में नाला अंकित नहीं है जिसकी जानकारी एसडीएम साहब को दी गई है।

रोपा लगे खेत में पानी छोड़ने का विवाद

एक महिला को खेत पड़ोसी मां बेटे ने मारपीट कर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानेगांव में रोपा लगे खेत में पानी छोड़ने के विवाद को लेकर खेत पड़ोसी मां बेटे ने एक महिला को मारपीट कर घायल कर दिये। बिरसा पुलिस ने सावन बाई पति धन्नू लाल तिल्लासी 55 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर शिवकुमार सोनेकर और उसकी मां मुन्नीबाई सोनेकर करके विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मानेगांव निवासी सावन बाई तिल्लासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। जिसके खेत के ऊपर शिवकुमार सोनेकर का खेत है। 4 जुलाई को सुबह 7:00 बजे रोज की तरह सावन बाई रोपा लगाने के लिए अपने खेत गई थी। जिसके साथ बड़ा लड़का सेवकराम तिल्लासी , छोटा लड़का पवन तिल्लासी, छोटी बहू कविता बाई तिल्लासी देवरानी भागन बाई तिल्लासी और ग्राम चरचेंडी से तीन मजदूर भी रोपा लगाने के लिए खेत आए थे सभी लोग रोपा लगा रहे थे। 4 बजे करीब सावन बाई के खेत के ऊपर वाले कृषक शिवकुमार सोनेकर और उसकी मां मुन्नीबाई सोनेकर ने अपने खेत के पानी को सावन बाई के रोपा लगे खेत मे छोड़ दिये थे ।जिसके कारण सावन बाई के खेत के रोपा अधिक पानी होने से बहने लगे थे। सावन बाई ने शिवकुमार सोनेकर को अपने खेत का पानी छोड़ने से मना की थी। तभी शिवकुमार ने अपनी मां मुन्नी बाई के साथ सावन बाई को अश्लील गालियां देते हुए उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे। मां बेटे द्वारा सावन बाई को मारपीट करते देख पेमल तिल्लासी, सेवकराम तिल्लासी और मजदूर दौड़े, सावन बाई को छुड़ाकर बीच बचाव किये। उसके बाद दोनों शिवकुमार सोनेकर और उसकी माँ मुन्नी बाई सोनेकर ने दोबारा झगड़ा विवाद करने पर सावन बाई को जान से मार डालने की धमकी दे दी ।मारपीट में सावन बाई के दाहिने गाल ,बाये पैर के घुटने के अलावा उसे अंदरूनी चोट आई। जिसके बाद सावन बाई अपने बेटे और सेवकराम तिल्लासी ओर पेमल तिल्लासी के साथ रिपोर्ट करने के लिए बरसा पुलिस थाना पहुंची बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल सावन बाई का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर शिवकुमार सोनेकर और उसकी मां मुन्नीबाई सोनेकर के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जिसकी जांच उप निरीक्षक शिवलाल परते द्वारा की जा रही है।

यात्री प्रतीक्षालय बैहर मृत व्यक्ति की नहीं हो पाई शिनाख्त 2 साल से वारसानो की जा रही है तलाश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । यात्री प्रतीक्षालय बैहर में मृत एक अज्ञात व्यक्ति की 2 साल बाद भी शिनाख्त नहीं हो पाई। बैहर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर दो साल से इस व्यक्ति के वारसानो की तलाश की जा रही है। बैहर पुलिस के मुताबिक 10 अगस्त 2023 को यात्री प्रतीक्षालय बैहर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई थी। यह व्यक्ति भिखारी जैसे हालत में था। जिसकी उम्र करीब 60 वर्ष थी जिसके सिर में सफेद साफी बंधी हुई थी। वह व्यक्ति शरीर पर सफेद रंग की मैली शर्ट और वह धोती पहना हुआ था। साल बिछाकर करवट लेता हुआ था। उस व्यक्ति की मृत्यु वृद्धावस्था के चलते होने की संभावना व्यक्ति गई है। इस व्यक्ति की मौके पर पहचान नहीं हो पाई । यात्री प्रतीक्षालय में अज्ञात व्यक्ति का शव होने की रिपोर्ट सुनील पिता नारायण डग्गर 40 वर्ष वार्ड नंबर 10 बैहर निवासी के द्वारा की गई थी। प्रधान आरक्षक ज्ञानचंद परते ने मर्ग 34/2023 धारा 174 जा फो के तहत कायम किये और शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर कफन दफन करवा दिया गया। इस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त नही हो पायी। 2 साल से इस अज्ञात व्यक्ति के वारसानो की लगातार तलाश की जा रही है। प्रधान आरक्षक श्री परते ने जिले वासियों से इस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त हेतु उसके वारसानो की पतासाजी में सहयोग की अपेक्षा की है।

सड़कों पर आवारा मवेशियों का कब्जा, राहगीर व वाहन चालक परेशान

नगर पालिका नहीं दे रही ध्यान, हाका गैंग भी पूरी तरह हैं इन दिनों निष्क्रीय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों शहर के व्यस्ततम मार्ग अवंतीबाई चौक से गुजरी बाजार रोड़, मेन रोड से हनुमान चौक, गोंदिया रोड से हनुमान चौक सहित ऐसे कई शहर के आती व्यस्ततम मार्ग में आवारा मवेशी घूम रहे हैं। जिससे इन मार्गो पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों को आवारा मवेशियों से अच्छी खासी परेशानी हो रही है । इन घूम रहे आवारा मवेशियों से दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। जबकि देखा जाए तो यह आवारा मवेशी पहले सड़कों के नीचे खाली भूमि पर विचरण करते थे । किंतु बरसात होने के कारण अब यह मवेशी सीधे बीच सड़कों पर विचरण कर रहे हैं । इससे दुर्घटना की संभावना बढ़ चुकी है। नगर पालिका के पास कांजी हाउस नहीं होने के कारण नगर पालिका भी इन आवारा मवेशियों पर ध्यान नहीं दे रही है। साथ ही इन दिनों नगर पालिका का हाका गैंग भी पूरी तरह से निष्क्री हो चुका है । नगर पालिका के संबंधित अधिकारी भी इन सब विषय पर गंभीर नहीं है ।

आपको बता दे कि इन दिनों शहर के प्रमुख चौक चौराहों एवं मार्गो पर आवारा पशु विचरण करते हुए नजर आ रहे हैं । इससे सबसे अधिक वाहन चालकों को परेशानी हो रही है , साथ ही इन आवारा मवेशियों के इस प्रकार विचरण करने से दुर्घटना की संभावना भी बन रही है। जबकि देखा जाए तो पहले यह आवारा मवेशी सड़कों के नीचे विचरण करते थे, किंतु इन दिनों बरसात का समय होने के कारण अब यह मवेशी सीधे शहर के बीचो-बीच मार्ग एवं चौक ,चौराहों पर नजर आते हैं। जिससे आवागमन करने वाले वाहन चालकों को बहुत परेशानी होती है । साथ ही रात्रि में अचानक तेजी से आने वाले वाहन चालक इन मवेशियों के बैठे रहने से उनके वाहन भी अनियंत्रित हो जाते हैं। जिससे दुर्घटना की संभावनाएं बन रही है। जबकि देखा जाए तो नगर पालिका को इन आवारा मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस में बंद करना चाहिए, किंतु बीते कुछ महीना पहले कांजी हाउस की जमीन का निजीकरण हो गया था, जिसके बाद से ही नगर पालिका के पास कांजी हाउस के लिए जमीन नहीं है और नगर पालिका द्वारा अभी तक कांजी हाउस का निर्माण नहीं किया गया है जबकि उस समय नगर पालिका के जिम्मेदारों द्वारा कहा जा रहा था कि वह कांजी हाउस की वैकल्पिक व्यवस्था बनाएंगे , किंतु आज तक कांजी हाउस की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनी है और नगर पालिका के कर्मचारी भी इन दिनों आवारा मवेशियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कांजी हाउस नहीं होने के कारण नगर पालिका का हाका गैंग भी इन दिनों पूरी तरह से निष्क्रिय है। देखा जाए तो शहर बड़ा है और 33 वार्डों में आए दिन आवारा मवेशी घूमते रहते हैं। इसलिए यहां कांजी हाउस भी अति आवश्यक है और साथ में आवारा घूम रहे मवेशियों को भी पकड़ना उतना ही आवश्यक है, किंतु कांजी हाउस नहीं होने के कारण यह पूरी कार्रवाई इन दिनों सुस्त पड़ी हुई है । आवारा मवेशी खुली सड़कों पर विचरण कर रहे हैं। जिससे कभी भी दुर्घटना भी घटित हो सकती है ।इस विषय पर नगर पालिका में बैठे जिम्मेदार भी पूरी तरह मौन है। कोई भी कांजी हाउस सहित आवारा घूम रहे मवेशियों पर कोई बात नहीं कर रहा है और ना ही अभी कोई कार्य योजना तैयार की गई है ।

पशु मालिक हुये बेपरवाह

शहर की सड़कों पर आवारा मवेशी का कब्जा होने के पीछे बहुत हद तक पशु मालिक भी जिम्मेदार हैं। मवेशियों से हित साधने के बाद इन्हें सड़कों पर आवारा घूमने के लिए इस तरह छोड़ दिया जाता है जैसे मवेशियों से उनका कोई नाता न हो। जबकि देखा जाए तो पशु मालिक को अपने मवेशियों का ध्यान रखकर आवारा घूम रहे मवेशियों को सुरक्षित रखना चाहिए एवं संबंधित विभाग द्वारा भी पशु मालिकों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए तभी आवारा मवेशियों की समस्या शहर में खत्म होगी।

नपा के पास कांजी हाउस ही नहीं

नगर पालिका प्रशासन द्वारा सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस लाए जाने पर इनके मालिक पर जुर्माना व जानवरों की नीलामी का भी प्रावधान है। पर नगर पालिका के पास कांजी हाउस नहीं है। कुछ दिन पहले नगर पालिका के जिम्मेदार कांजी हाऊस बनाने की बात तो कह रहे थे पर आज तक नगर पालिका द्वारा कांजी हाउस ही नहीं बनाया गया है और यहां से जो नगर पालिका के द्वारा मवेशी पकड़े जाते हैं उन्हें वारासिवनी भिजवाया जाता है और मवेशी बार-बार भिजवाने की समस्या के कारण नगर पालिका द्वारा मवेशियों को नहीं पकड़ा जाता, क्योंकि यहां स्थाई कांजी हाउस नहीं है। इसलिए मवेशियों को देने वाली सुविधा भी नगर पालिका के पास नहीं है ।

गोंदिया रोड पर हो चुके हैं हादसे

गोंदिया रोड पर शाम होते ही मवेशियों का डेरा लगना शुरू हो जाता है । साथ ही शहर के अवंतीबाई चौक से गुजरी पहुंच मार्ग पर भी कुछ मवेशी मालिक मवेशी पालते हैं। जिस कारण भी इस मार्ग पर मवेशियों का डेरा लगा रहता है। दोनों ही व्यस्ततम मार्ग है और यहां से सुबह से लेकर देर रात तक यह मार्ग चालू रहता है। इस प्रकार मवेशियों के सड़कों पर बैठे रहने से इसके पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। बावजूद इसके नगर पालिका द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

प्राथमिक शाला मानपुर के छात्र-छात्राओं को नहीं परोसा गया मध्यान भोजन

भूख लगने पर खाने खाने घर गए बच्चे, ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, जिम्मेदार शिक्षको पर कार्यवाही की मांग, रसोईया बोली, शिक्षक ने मध्यान भोजन बनाने से किया था मना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मध्यान भोजन भारत सरकार की एक अहम योजना है ।जिसके अंतर्गत पूरे देश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं को दोपहर का भोजन नि:शुल्क प्रदान किया जाता है ।इस योजना में रसोइया अपनी अहम भूमिका निभाती है। लेकिन जिम्मेदारो की लापरवाही के चलते कई बार स्कूलों में पढ़ने वाले विघार्थियों को मध्यान भोजन भी नसीब नही हो पाता ।ताजा मामला चरेगांव संकुल के अंतर्गत प्राथमिक शाला मानपुर का है ।जहां शनिवार को प्राथमिक स्कूल मे कक्षा पहली से पांचवी कक्षा तक के छात्र छात्राओं को मध्यान भोजन नहीं परोसा गया, जिस कारण पालको द्वारा दूरभाष मे पंचायत के सरपंच से शिकायत कि गई जिसपर चरेगांव सरपंच प्रतिनिधि ने मानपुर प्राथमिक शाला पहुंचकर पालको से जानकारी लेते हुये छात्र छात्राओं से भी मध्यान भोजन की जानकारी ली, जिसपर अध्यनरत छात्र छात्राओं ने बताया कि हमें मध्यान भोजन नहीं दिया गया ।इस मामले को लेकर पालको सहित सरपंच प्रतिनिधि ने आपत्ति जताते हुए, मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

आज हमे स्कूल में भोजन नही मिला है-शिखा पटले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मानपुर स्कूल में पढ़ाई करने वाली कक्षा पांचवी की छात्रा शिखा पटले ने बताया कि आज स्कूल में मध्यान भोजन नहीं बना है। स्कूल में किसी भी बच्चे ने आज मध्यान भोजन नहीं किया। इसीलिए आज हम घर जाकर खाना खाकर आए हैं। उन्होंने बताया कि रोज मध्यान भोजन मिलता है लेकिन आज स्कूल में मध्यान भोजन बना ही नहीं है ।यह सुनकर मानपुर के ग्रामीणों ने शिक्षक लिल्हारे के विरुद्ध शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी से दूरभाष मे शिकायत कर शिक्षक लिल्हारे पर शासनात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग कि है।

आज शिक्षक ने मध्यान भोजन बनाने से किया था मना- रसोईया

चर्चा के दौरान स्कूल में रसोईया का काम करने वाली महिला श्यामवती बाई मेरावी ने बताया कि आज शिक्षक द्वारा मध्यान भोजन बनाने के लिए मना किया गया था। उन्होंने सब्जी भाजी का लाकर नहीं दिए, कह दिए कि आज मध्यान भोजन नहीं बनेगा। शिक्षक के आदेश पर उन्होंने मध्यान भोजन नहीं बनाया है ।इसलिए आज बच्चों को मध्यान भोजन नहीं दिया गया है।

मामले में वैधानिक कार्यवाही होनी चाहिए- सरपँच प्रतिनिधि

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीण नरेश पंचेश्वर और चरेगांव सरपंच प्रतिनिधि स्वप्निल बिसेन ने इस पूरे मामले पर अपना एतराज जताते हुए मामले में लिप्त शिक्षक पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है ।वही मामले की शिकायत दूरभाष पर विभागीय अधिकारियों से की गई है।

लिल्हारे सर के पास है मध्यान भोजन के पैसे- शिक्षक कटरे

मानपुर मे पदस्थ शिक्षक यशवंत राय कटरे ने चर्चा के दौरान बताया कि स्कूल के लिल्हारे शिक्षक द्वारा मध्यान भोजन मद कि राशि का आहरण 17 जून को 17000 रु किया है परन्तु मुझे राशि प्रदाय नहीं किया, वर्तमान समय तक मै स्वयं के पास कि राशि से मध्यान भोजन कराया हूँ, मध्यान भोजन अनाज का आवंटन भी लिल्हारे सर द्वारा ही उचित मूल्य दुकान से निकाला जाता है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में दिनांक 04 जुलाई 2025 को पूर्व प्राचार्य एवं उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग के नवनियुक्त अतिरिक्त संचालक के रूप में प्रो पीआर चंदेलकर के प्रथम आगमन के अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही नवागन्तुक प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मरठे का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिरिक्त संचालक एवं प्राचार्य के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर माँ सरस्वमी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। स्वागत की श्रृंखला में प्राचार्य सर जी अशोक कुमार मराठे द्वारा अतिरिक्त संचालक प्रो. चंदेलकर का शॉल श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस कड़ी में महाविद्यालय के विभागाध्यक्षों एवं अन्य शासकीय / अशासकीय महाविद्यालय से आये प्राचार्यों द्वारा भी अतिरिक्त संचालक का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य के रूप में प्रो. चंदेलकर द्वारा इस महाविद्यालय में किए गए कार्यों की विभिन्न विभागाध्यक्षों, प्रोफेसरों एवं अन्य महाविद्यालयों से आये विभिन्न प्राचार्यों ने भी अतिरिक्त संचालक के कार्यों की सराहना की। स्वागत एवं सम्मान के अवसर पर अतिरिक्त संचालक प्रो. पी. आर. चंदेलकर द्वारा इस महाविद्यायल में किए गए कार्यों के दौरान महाविद्यालय परिवार से मिले सहयोग की सराहना की तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित हर कार्यों में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

बच्चों की जान जोखिम में डालकर प्रधानपाठक ने क्षतिग्रस्त भवन में बिछवाई पॉलीथिन

भवन के ऊपर से गुजरे है बिजली के हाईटेंशन तार, घटित हो सकती थी बड़ी दुर्घटना

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव में स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक स्कूल का भवन क्षतिग्रस्त हो चुका है और तेज बारिश होने पर छत से पानी टपकता है। जिससे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई एवं शिक्षकों को अध्यापन कार्य करवाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही भवन के ऊपर से विद्युत विभाग का हाईटेंशन तार गुजरा है, अगर कोई छत पर चढ़ता है और विद्युत तार के संपर्क में आता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। वहीं जीर्णशीर्ण स्कूल भवन से टपक रहे पानी की रोकथाम के लिए शुक्रवार को प्रभारी प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत के द्वारा बच्चों के साथ पॉलीथिन बिछाई गई है। जबकि जिस क्षतिग्रस्त भवन के ऊपर पॉलीथिन बिछवाई गई है उसके ऊपर से गुजरे बिजली के हाईटेंशन तार के संपर्क में यदि कोई ब'चा आ जाता तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। ग्रामीणजन एवं अभिभावकों ने प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत पर बच्चों की जान जोखिम में डालकर पॉलीथिन बिछवाने एवं जीर्णशीर्ण भवन में स्कूल संचालित कर लापरवाही बरतने सहित अन्य आरोप लगाते हुए शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत कर प्रधानपाठक पर कार्यवाही करने की मांग की थी। क्षतिग्रस्त भवन में ब%चों से पॉलीथिन बिछवाने की शिकायत मिलने के बाद बीआरसी श्रीराम तुरकर के द्वारा मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई थी। जांच टीम के द्वारा शनिवार को स्कूल पहुंचकर ग्रामीण, सरपंच व बच्चों के अभिभावकों की उपस्थिति में शिकायत की जांच की गई। जिसमें प्रधानपाठक से जानकारी ली गई तो उन्होने कहा कि तेज बारिश होने पर भवन से पानी टपकता है इसलिए शिक्षकों के साथ मिलकर पॉलीथिन बिछवाई है। जिस पर उपस्थितजनों ने कहा कि बच्चों से यह कार्य करवाया गया है। इस दौरान बिजली के हाईटेंशन तार के संपर्क में बच्चें आ जाते तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी और बच्चों से पॉलीथिन बिछवाने का कार्य करवाने की फोटो व वीड़ियों हमारे पास उपलब्ध है। जिसके बाद प्रधानपाठक ने अपनी गलती

अभिभावक एवं ग्रामीणों ने प्रधानपाठक पर लापरवाही बरतने एवं जीर्णशीर्ण भवन में स्कूल संचालित करने का लगाया आरोप, कार्यवाही की मांग

स्वीकार करते हुए कहा कि कुछ बड़े बच्चों ने स्वयं आकर पॉलीथिन बिछवाने में मदद की है। इस तरह से ग्रामीणों की शिकायत सही पाई गई। वहीं भवन की जीर्णशीर्ण स्थिति को देखते हुए हाई स्कूल के समीप बने नवीन भवन में एकीकृत शास. स्कूल को संचालित करने की बात कही गई। लेकिन कमरे के अभाव में स्कूल संचालन में परेशानी होने की बात प्रधानपाठक के द्वारा कही गई। जबकि जिस कक्ष में बच्चें बैठकर पढ़ाई कर रहे है उक्त कमरे का प्लास्टर निकलने लगा है एवं कमरों में नमी आ रही है जिससे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं सरपंच सहित ग्रामीणों के द्वारा नवीन भवन में स्कूल संचालन करने की मांग की जा रही है।

भवन तोड़ने के आदेश जारी होने के बाद भी जीर्णशीर्ण भवन में लग रही कक्षाएं

आपकों बता दे कि चिचगांव स्थित शास. एकीकृत माध्य. स्कूल का भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है एवं छत से प्लास्टर निकल रहे है एवं कुछ कमरे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके है। जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट के द्वारा 20 जून को आदेश जारी कर इस जीर्णशीर्ण भवन में स्कूल संचालित ना करे एवं 4 जुलाई को एकीकृत माध्य. स्कूल चिचगांव के भवन को डिस्मेंटल के आदेश दिये गये है। बावजूद उसके भवन को डिस्मेंटल न करते हुए प्रधानपाठक के द्वारा जीर्णशीर्ण भवन में ही स्कूल संचालित किया जा रहा है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि भवन जीर्णशीर्ण होने के कारण चिचगांव के हाई स्कूल के समीप नवीन भवन का निर्माण करवाया गया है जो बनकर तैयार हो चुका है एवं पूर्व में नवीन भवन में स्कूल स्थानांतरित करने के आदेश जारी हो गये है। लेकिन अब तक स्कूल स्थानांतरित नही हुआ है और पुराने जीर्णशीर्ण भवन में ही स्कूल संचालित किया जा रहा है। जबकि इस भवन के छत से प्लास्टर निकल रहा है एवं छत से पानी टपकता है जिसके कारण बच्चों को पढ़ाई करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही स्कूल भवन के ऊपर से बिजली का हाईटेंशन तार भी गुजरा है। शुक्रवार को प्रधानपाठक के द्वारा बच्चों की जान जोखिम में डालकर छत के ऊपर पॉलीथिन बिछवाई गई है जिससे ग्रामीणजनों व बच्चों के अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं प्रधानपाठक श्री हनवत पर ग्रामीणजनों व अभिभावकों ने बच्चों की जान जोखिम में डालकर जीर्णशीर्ण भवन में कक्षा लगाने एवं भवन के ऊपर से गुजरे बिजली के हाईटेंशन तार के नीचे से पॉलीथिन बिछवाने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने की मांग की है। जबकि जिस भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही है वह जीर्णशीर्ण हो चुका है जिसे हटाने (डिस्मेंटल) के आदेश जारी होने के बाद भी नही हटाया गया है। जिससे ग्रामीणजनों व अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है।

प्रधानपाठक कर रहा मनमानी - गोंविद

चिचगांव सरपंच गोविंद पटले ने बताया कि चिचगांव में एकीकृत मा. शाला के अतिरिक्त कक्ष को कलेक्टर महोदय के द्वारा जीर्णशीर्ण घोषित कर दिया गया है। उसके बावजूद प्रधानपाठक के द्वारा कलेक्टर एवं जिला शिक्षा विभाग के आदेशों की अवहेलना करते हुए अपनी मनमानी कर जर्जर भवन में स्कूल संचालित किया जा रहा है। साथ ही जीर्णशीर्ण भवन से पानी का रिसाव होता है जिसके कारण कक्षाएं संचालित करना संभव नही है किन्तु प्रधानपाठक के द्वारा लापरवाही बरतते हुए स्कूल के बच्चों से पॉलीथिन बिछवाई गई है। जबकि भवन के ऊपर से बिजली के हाईटेंशन तार गुजरा है एवं भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। ऐसी स्थिति में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना है। श्री पटले ने बताया कि जीर्णशीर्ण भवन को तोड़ने के संबंध में ग्राम पंचायत एवं स्कूल प्रबंधन को पत्र जारी हो चुके है उसके बाद भी प्रधानपाठक के द्वारा अपने अडियल रवैया के चलते जीर्णशीर्ण भवन को तोड़ा नही जा रहा है और ना ही भवन को खाली किया जा रहा है। साथ ही अपनी मनमानी करते हुए कक्षाएं संचालित की जा रही है। यदि भविष्य में कोई दुर्घटना घटित होती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी स्कूल प्रबंधन व प्रधानपाठक की होगी।

तीन कक्ष में 8 कक्षाएं संचालित करना संभव नही है - देवेन्द्र

चिचगांव एकीकृत. मा. स्कूल के प्रभारी प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत ने बताया कि गत दिवस से निरंतर बारिश हो रही है और स्कूल में 171 बच्चें दर्ज है एवं अतिरिक्त कक्ष में कक्षाएं संचालित की जा रही है किन्तु तेज बारिश होने पर छत से पानी का रिसाव होता है। जिसकी रोकथाम के लिए पॉलीथिन बिछाई गई है, जिसमें स्कूल के कुछ बड़े बच्चों ने मदद किये है और भवन के ऊपर से गुजरे विद्युत तार को देखते हुए पुरी सतर्कता से पॉलीथिन बिछाई गई है। श्री हनवत ने बताया कि 171 बच्चें दर्ज है जिनकी कक्षाएं संचालित करने के लिए 8 कमरे की आवश्यकता है लेकिन नवीन भवन निर्माण की जो बात कही जा रही है। वह भवन नही है, प्राथ. शाला के तीन अतिरिक्त कक्ष बनाये गये है जहां 8 कक्षाएं लगाना संभव नही है इसलिए पुराने भवन में पॉलीथिन डालकर स्कूल संचालित किया जा रहा है।

जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जायेगी - जितेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में बीएसी जितेन्द्र डहरे ने बताया कि चिचगांव से शिकायत मिली थी कि एकीकृत माध्यमिक स्कूल के प्रधानपाठक के द्वारा बच्चों से स्कूल की छत के ऊपर पॉलीथिन बिछवाने का कार्य करवाया गया है। जबकि भवन के ऊपर से बिजली का हाईटेंशन तार गुजरा हुआ है, बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। श्री डहरे ने बताया कि शिकायत की जांच में पाया गया कि बारिश होने पर भवन में टपक रहे पानी की रोकथाम के लिये बिछाई गई पॉलीथिन में बड़े बच्चों ने मदद किये है। शिकायतकर्ता व प्रधानपाठक, बच्चों एवं शिक्षकों के बयान लेकर जांच रिपोर्ट अग्रिम कार्यवाही के लिए उच्चाधिकारियों को भेजी जायेगी।

बाबा खाटू श्याम के लिए गोंदिया से निकली पदयात्रा का लालबर्रा में हुआ स्वागत

श्री श्याम सेवा मंडल लालबर्रा के युवाओं ने की पुष्पवर्षा, शुभयात्रा के लिए दी शुभकामनाएं

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नारायणी धाम रानी सती मंदिर गणेश नगर गोंदिया से 3 जुलाई को बाबा खाटू श्याम राजस्थान के लिए युवाओं की एक टोली पदयात्रा में निकली है। यह पदयात्रा गोंदिया से निकलकर बालाघाट-लालबर्रा होते हुए बाबा खाटू श्याम (राजस्थान) के दरबार में भगवान श्री खाटू श्याम के दर्शन कर उनका आशीर्वाद गोंदिया निवासी कृणाल पांडे, वारासिवनी निवासी मुरली मनोहर चौबे, कटंगी निवासी लकेश कुशरामे प्राप्त करेंगें और क्षेत्र की सुख-शांति व समृध्दि की कामना करेगें। खाटू श्याम के दर्शन के लिए गोंदिया से निकली पदयात्रा 5 जुलाई की शाम 5 बजे लालबर्रा पहुंची। इस दौरान श्री श्याम सेवा मंडल लालबर्रा के पदाधिकारियों ने विश्राम गृह के सामने पदयात्रा में शामिल तीन श्रध्दालु का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और उनकी शुभयात्रा की शुभकामनाएं देते हुए उन्हे विदाई दी। आपकों बता दे कि लोगों के द्वारा ईश्वर के प्रति आस्था, श्रध्दा एवं भक्ति की जाती है। इसी तरह से गोंदिया के कुछ युवाओं के द्वारा भगवान खाटू श्याम बाबा राजस्थान के प्रति आस्था व श्रध्दा के चलते उनके द्वारा गोंदिया से पदयात्रा बाबा खाटू श्याम राजस्थान के लिए निकाली गई है, जो गोंदिया से निकलकर राजस्थान खाटू श्याम बाबा के मंदिर तक जायेगी। जहां पहुंचकर ये तीनों श्रध्दालु बाबा का आशीर्वाद लेकर वापस अपने गृह गांव पहुंचेंगे। जिनका जगह-जगह पर विभिन्न धार्मिक संगठन, युवाओं व धर्मलंबियों के द्वारा स्वागत-सत्कार किया जा रहा है। साथ ही उनकी बेहतर यात्रा की मंगलकामनाएं करते हुए उन्हें उपहार भेंट कर सहायता प्रदान कर विदाई दी जा रही है, जिससे उनकी यात्रा मंगलमय हो सके। इस अवसर पर श्री श्याम सेवा मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सभाकक्ष में 5 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम सहकारिता विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी जोशी, फिल्ड आफिसर राजेश नगपुरे, ऋण कक्ष प्रभारी राधेश्याम महेश, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे सहित अन्य सेवा सहकारी समिति के प्रबंधकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थितजनों को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाकर उसके उद्देश्य के बारे में बताया गया। साथ ही इस अवसर पर समिति के कृषक सदस्य खुमानसिंह बोपचे का मध्यमकालीन ऋण अंतर्गत थ्रेसर खरीदी हेतु प्रकरण स्वीकृत हुआ है। जिसे स्वीकृति पत्र जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के हस्ते प्रदान किया गया। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित कर्मचारी एवं कृषक सदस्यों को बताया गया कि अब सभी समितियां बहुउद्देशीय टैक्स बन गई है। जो जनहित में कई कार्य कर सकती है जैसे लालबर्रा समिति में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के अंतर्गत सस्ती दवाई उपलब्ध करवाई जा रही है। जिसका लाभ लालबर्रा क्षेत्र के सभी लोग ले रहे है। साथ ही समितियां पेट्रोल पंप, बस, धर्मकाटा, कॉम्पलेक्स निर्माण एवं अन्य प्रकार के कार्य संपादित कर सकते है एवं समितियों को लाभ अर्जित करवा सकते है जिसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि शनिवार को वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया गया और उपस्थित समिति कृषक सदस्यों को सहकारिता के क्षेत्र में संचालित हो रही योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सेवा सहकारी समिति मोहगांव ध. प्रबंधक एचसी बसेने, नेवरगांव ला. प्रबंधक एमपी ठाकरे, सिहोरा प्रबंधक आरएल एड़े, वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा प्रभारी प्रबंधक सुभाष बोपचे, बीसी कटरे, मिरेगांव प्रभारी प्रबंधक एमआर गोंदुड़े, नंदकिशोर दशरिये, गणेश लांजेवार, नरेन्द्र बोपचे, अनिल सिंघनधुपे, अशोक कोहरे, धनीराम पंचेश्वर, पवन बोपचे, अतुल ठाकरे, टेकचंद, धनेन्द्र मातरे, किसान चैनलाल बोपचे, खुमान बोपचे सहित अन्य कृषक सदस्य उपस्थित रहे।

दो दिवसीय हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हुआ समापन

हवन-पूजन के बाद महाप्रसादी का किया गया वितरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंजई के अंतर्गत आने वाली ग्राम केवाटोला के नवनिर्मित हनुमान मंदिर में गत 4 जुलाई से जारी दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम का 5 जुलाई को भगवान हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा, हवन-पूजन के बाद महाप्रसादी का वितरण कर समापन किया गया। इस दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में 4 जुलाई को मंदिर से भव्य शोभायात्रा डीजे की धुन पर निकाली गई। जो पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जिसके बाद विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। 5 जुलाई को सुबह विधि-विधान से पूजा अर्चना कर नवनिर्मित मंदिर में पवनपुत्र भगवान हनुमान जी की प्रतिमा विराजित की गई तत्पश्चात हवन-पूजन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमे पं. के द्वारा यजमान की उपस्थिति में हवन-पूजन संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुजनों ने हवन-कुंड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये।

जिसके बाद आरती कर भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में हनुमान मंदिर समिति केवाटोला कंजई के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम में स्थित हनुमान जी की मंदिर जीर्णशीर्ण हो गया था। जिसके बाद ग्रामीणों की बैठक लेकर नवीन मंदिर का निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया था और सभी ग्रामीणजन एवं जिले के श्रध्दालुजनों के जनसहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि नवनिर्मित मंदिर में दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें 4 जुलाई को भव्य शोभायात्रा निकाली गई थी और दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए, 5 जुलाई को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर नवनिर्मित मंदिर में भगवान हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिसके बाद हवन-पूजन एवं आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया और भगवान हनुमान जी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशयाली बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालु जन उपस्थित रहे।

प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लैपटॉप योजना सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लैपटॉप योजना सम्मान समारोह लैपटॉप योजना सम्मान समारोह कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विकासखण्ड स्तर पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर में आयोजित कराया गया। इस अवसर पर कक्षा 12 वी मे 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप हेतु प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम मे प्रदेश के मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव का लाइव उद्बोधन कार्यक्रम का प्रसारण भी सम्पन्न किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य चेतना कराहे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी गणेश प्रसाद सोनी, संस्था की प्राचार्य श्रीमती अनीता तारन, धनराज पटावी, व्ही. के. बोरकर, धीरेंद्र श्रीवास, एस. आर. पांचे, सुश्री के. जांगड़े, सोफिया खान, वर्षा चौरागढ़े, पुष्पा खैरवार, वंदना पटले, एकता बंसोड, घनश्याम रामटेके, तेजलाल मस्करे अतिथि शिक्षक किशोर बुराडे, रिसीवर कावडे, रंजीत घरते, मुनेश कटरे, रवि प्रकाश कटरे, कोल्ते सर, बालकिशन यादव, बिसेन मैडम, आई. पी. लिल्हारे तथा समस्त स्टाफ उपस्थित थे। वही स्थानीय स्तर पर आयोजित इस दौरान कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र कुमार चित्रीव द्वारा किया गया।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा मे दिखा भक्तों का जनसैलाब

आस्था के साथ यात्रा में शामिल होकर लोगों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का ५ जुलाई को श्री रामलला सेवा समिति एवं सहयोगी इस्कॉन बालाघाट के तत्वाधान में आयोजन किया गया। यह रथ यात्रा जगन्नाथ पुरी में निकाली जाने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर हर्ष उल्लास के साथ निकाली गई। इस रथयात्रा में एक रथ के ऊपर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विराजित रहे। जगह.जगह लोगों के द्वारा शोभायात्रा का दुगने उत्साह के साथ स्वागत किया गया । वहीं लोगों के द्वारा भगवान जगन्नाथ की आरती उतार कर आशीर्वाद ग्रहण किया जाता रहा। जहां उपस्थित लोगों के द्वारा भगवान जगन्नाथ के संगीतमय गीतों का वचन कर जमकर नृत्य किया गया।

श्री कृष्ण मंदिर से निकाली गई रथयात्रा

नगर के जैन मोहल्ला स्थित भगवान श्री कृष्ण मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र ,बहन सुभद्रा की प्रतिमा विराजित की गई जहां पर संगीतमय भजन कीर्तन किए गए। तत्पश्चात मंदिर से निकलकर भगवान को रथ पर विराजित किया गया जहां पूजा अर्चना के पश्चात आरती कर रथ यात्रा प्रारंभ की गई। जो गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक ,नहेरु चौक ,जय स्तंभ चौक ,दीनदयाल चौक सहित विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस श्री राम मंदिर पहुंची। जहाँ भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर उन्हें ५६ भोग लगाकर आरती की गई तत्पश्चात महाप्रसादी स्वरूप भगवान जगन्नाथ की भात का वितरण किया गया। इस रथ यात्रा के दौरान भक्तो ने भगवान के रथ को अपने हाथो से खींचा वहीं रथ यात्रा में भक्तो का जनसैलाब नजर आया। इस नगर भ्रमण के दौरान हरे राम, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे हरे की धुन गूंजते रही जहां पर लोगों के द्वारा जगह जगह जमकर नृत्य भी किया जाता रहा।

भगवान जगन्नाथ का रथ रहा आकर्षण का केंद्र

इस रथ यात्रा को अनुपम बनाने के लिए रथ यात्रा की बहुत ही सुंदर साज सज्जा की गई थी। भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ में विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। प्रथम बार निकाली गई रथ यात्रा आकर्षण का केंद्र रही। वहीं अगले वर्ष और इसे भव्य रूप में निकाली जाने की बात समिति के द्वारा कहीं गई। यात्रा को लेकर प्रयोग में लाया गया रथ की कुछ साम्रागी महाकाल की नगरी उज्जैन से लाया गया था। इस दौरान रथ में सवार होकर भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को नगर भ्रमण कराया गया।

जनप्रतिनिधियों ने भगवान जगन्नाथ का लिया आशीर्वाद

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भ्रमण के दौरान जगह जगह पुष्प वर्षा की गई भक्तों ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। वहीं रथ यात्रा में पुरुषों के साथ साथ महिलाओं की संख्या भी दिखाई दी। ढोल नगाडो व आतिशबाजी के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ की यात्रा के दौरान विविध सामाजिक व धार्मिक संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक विक्की पटेल, पूर्व विधायक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत आस्था के साथ शामिल हुए। जिनके द्वारा भगवान जगन्नाथ के सामने माथा टेक कर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना कर पुरी रथ यात्रा के दौरान उपस्थिति बनाकर नगर भ्रमण किया गया। इस अवसर पर रामलला समिति अध्यक्ष संजय रूसिया ,उपाध्यक्ष डॉक्टर रविंद्र ताथोड़ ,विनय सुराना, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ,श्रीमती निर्मला पटले, अजय बिसेन, निरंजन बिसेन, मनोज दांदरे ,संदीप मिश्रा ,मोनू लिमजे ,सुदेश गुड्डु सोनी ,छगन हनवत, अनिल पिपरेवार ,योगेश यादव ,विवेक जुझार, मिलिंद नगपुरे ,लोकचंद ठाकरे ,विजय जैन ,अभिषेक अग्रवाल ,चिंटू जैन ,सुरेश कुर्वे ,संजय अग्रवाल ,आधार मोदी ,जगदीश नेमा ,जावेद अली ,पुष्पा बिसेन ,नंदनी पटेल ,पूनम झा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जगह जगह पानी और शरबत का किया गया वितरण

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान नगर के विभिन्न चौक चौराहा पर हिंदू धर्मलंबियों एवं गैर हिंदू धर्मलंबियों के द्वारा स्टार लगाकर यात्रा में शामिल लोगों को शरबत और पानी का वितरण कर यात्रा का स्वागत किया जाता रहा। इस दौरान पुलिस प्रशासन के द्वारा भी थाने के सामने स्टॉल लगाकर दीनदयाल चौक से वापस यात्रा आने के दौरान यात्रा का स्वागत कर शामिल लोगों को पानी का वितरण किया गया।

चप्पे चप्पे पर पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों सहित संवेदनशील ,असंवेदनशील सभी प्रकार के स्थानों पर सुबह से पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैदी के साथ खड़ा रहा। इस दौरान जिला पुलिस बल से फ ोर्स बुलाकर नगर में मुस्तैद कराया गया। वहीं रथ यात्रा के दौरान एसडीम राजीव रंजन पांडे ,एसडीओपी अभिषेक चौधरी ,थाना प्रभारी हेमंत नायक सहित थाना स्टाफ के साथ यात्रा के सामने निगरानी बनाए रखें। तो वहीं यात्रा के निकलने के लिए रूट डायवर्ट जैसी व्यवस्था बनाई जाती रही।

शासकीय महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार ३ जूलाई से ७ जूलाई २०२५ तक शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम,प्राध्यापक डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले, डॉ. एम. घोरमारे, डॉ. प्रवीण कुमार पन्द्रे ,डॉ. तृप्ति सोनवे, डॉ.पूर्णिमा कुमरे एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रक्षा निकोसे के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलन कर किया गया। प्रथम दिन ३ जूलाई को नवप्रवेशित छात्र छात्राओं के समक्ष विभिन्न संकाय प्रभारीयों के द्वारा महत्वपूर्ण जानकारीयां प्रेषित की गई। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. एम. घोरमारे के द्वारा गणित विभाग में संचालित कोर्स तथा छात्रवृत्ति से संबंधित जानकारीयां दी गई। प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ. प्रवीण कुमार पन्द्रे के द्वारा विभाग की जानकारी छात्र छात्राओं से सांझा की गई। डॉ. रक्षा निकोसे के द्वारा हिन्दी विभाग एवं वनस्पतिशास्त्र विभाग की जानकारी दी गई। डॉ. त्रिरत्नेश गजभिये के द्वारा इसके अतिरिक्त सह पाठ्येत्तर गतिविधियों के अन्तर्गत एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले के द्वारा एनसीसी में प्रवेश की जानकारीयां दी गई। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी कृष्णा पराते के द्वारा महाविद्यालय में संचालित इकाई एवं कार्यों का सविस्तार विवेचना की गई। इसके अतिरिक्त कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ नरेन्द्र कुमार डोंगरे एवं दोमदत्त सिंह के द्वारा जानकारीयां सांझा की गई। वहीं द्वितीय दिवस राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता कोल्हेकर के द्वारा विभाग की विस्तृत जानकारीयां नवप्रवेशित छात्र छात्राओं को दी गई। इसी क्रम में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले के द्वारा अंग्रेजी साहित्य एवं आधार पाठ्यक्रम में अंग्रेजी के प्रश्नपत्र के बदलते स्वरूप पर चर्चा की गई। भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. गेडाम के द्वारा विषय की जानकारीयां एवं वनस्पतिशास्त्र विभाग प्रमुख हेमंत गणवीर के द्वारा आवास छात्रवृत्ति पर चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष इतिहास डॉ. तृप्ति सोनवे के द्वारा इतिहास एवं समाजशास्त्र, विभागाध्यक्ष वाणिज्य डॉ. पूर्णिमा कुमरे के द्वारा वाणिज्य विषय की जानकारी ,अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अनिरूद्ध काकोड़िया के द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की गई। ५ जूलाई को प्रथम सत्र में रसायनशास्त्र प्रमुख मोहनीश इड़पाचे ,एल.एल.बी. विभागाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार डोंगरे ,ग्रंथालय प्रभारी युगलकिशोर लांजेवार के द्वारा पुस्तकालय एवं क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू के द्वारा अपने अपने विभाग की जानकारीयां दी गई।

मोहर्रम की ९ तारीख को लंगर का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के गांधी चौक में युवाओं के द्वारा पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन और उनके जानिसारो की शहादत का पर्व मुहर्रम की ९ तारीख धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मनाया गया। जहाँ उर्दू माह मोहर्रम की ९ तारीख को शहीदे कर्बला की याद में लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें खिचड़े और शरबत का वितरण किया गया जिसे बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में सर्व समाज सभी धर्म के लोगों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। सदस्यों ने बताया कि उर्दू माह मोहर्रम की ९ तारीख को प्रतिवर्ष हिंदू मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे को ध्यान में रखते हुए सभी के सहयोग से यादे हुसैना लंगर ए आम का आयोजन किया जाता है । वह इस वर्ष भी अकीदतो के साथ सभी समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से निभाया है। इस अवसर पर आयोजकगण सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एसएसपी महाविद्यालय में आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने किया धरना प्रदर्शन

मामला ऑर्गेनिक फार्मिंग की प्रैक्टिकल परीक्षा में विद्यार्थियों को फेल करने का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय के मुख्य गेट पर भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन के तत्वाधान में विद्यार्थियों के द्वारा धरना आंदोलन किया गया। विद्यार्थियों के द्वारा यह धरना आंदोलन महाविद्यालय में ऑर्गेनिक फ ार्मिंग विषय के प्रैक्टिकल परीक्षा में छात्र छात्राओं को फेल किए जाने से आक्रोशित होकर किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा महाविद्यालय के बाहर एकत्रित होकर जमकर नारेबाजी की जाती रही। जिसमें उनके द्वारा कॉलेज प्रशासन हाय हाय कॉलेज प्रशासन होश में आओ जैसे नारेबाजी की गई। जहां ऑर्गेनिक फार्मिंग विषय के शिक्षक दोमदत्त सिंह पर रुपये लेकर प्रैक्टिकल में अंक देने की बात कहते हुए प्रभारी प्राचार्य एस एस गेड़ाम को ज्ञापन सौंप कर मामले में कार्यवाही करने की मांग की गई। यह धरना कार्यक्रम ५ जूलाई को करीब १ घंटे तक चला जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया जाता रहा।

प्राचार्य के नाम सौंपा ज्ञापन

धरना प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के द्वारा प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर एसएसपी महाविद्यालय के द्वारा प्रैक्टिकल परीक्षा में छात्राओं को फेल किए जाने के विषय में जांच करने की मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेखित है कि हम सभी एसएसपी महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्रायें आए हैं। हमे प्रैक्टिकल परीक्षा में बैठने के बाद फेल कर दिया गया है और जो छात्र छात्राओं को पूरे परीक्षा में अनुपस्थित रहा है उन्हें ५० प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। यहां देखा जा सकता है कि यहां कॉलेज प्रशासन की बड़ी लापरवाही है ,दोमदत्त सिंह के द्वारा बच्चों को फेल किया गया है और जो छात्र छात्राएं अनुपस्थिति रही है उन्हें पास किया गया है। ऐसे में प्राचार्य से मांग है कि आप इन परीक्षा परिणाम में त्रुटि सुधार किया जाए एवं दोमदत्त सिंह पर अतिशीघ्र कार्यवाही की जाए। जिससे कि आने वाले परीक्षा परिणाम में इतनी बड़ी गलती दोबारा ना हो और छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ ना किया जा सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं मौजूद रहे।

जिन्होंने प्रैक्टिकल लिया है बच्चों के साथ नाइंसाफी की है-सुजल मेश्राम

छात्र सुजल मेश्राम ने बताया कि यह जो बच्चों ने प्रैक्टिकल दिया था पूरी परीक्षा में उपस्थित है उन्हें प्रैक्टिकल में फेल कर दिया गया है। जो बच्चा पूरे पेपर में अनुपस्थित था उसे प्रैक्टिकल में ४० नंबर देकर पास किया गया है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका दोमदत्त सिंह सर की है जिन्होंने प्रैक्टिकल लिया है बच्चों के साथ नाइंसाफी की है बच्चों को ऐसा लग रहा है कि वह रिश्वत ले रहे हैं। कॉलेज प्रशासन पैसे लेकर काम कर रहा है ऐसे बहुत बच्चे हैं हमारे पास कुछ बच्चे आए हुए हैं अभी हमारे पास पूर्ण जानकारी नहीं है फिर भी ७ सौ बच्चे हैं। प्राचार्य से यही मांग है कि वह त्वरित कार्यवाही करें यदि कार्यवाही नहीं करते हैं और रिजल्ट में सुधार नहीं होता है तो आगामी समय में कलेक्टर कार्यालय में धरना दिया जाएगा यह ऑर्गेनिक फ ार्मिंग के विषय का मामला है।

महाविद्यालय द्वारा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है-आदर्श डहाटे

छात्र आदर्श डहाटे ने बताया कि दोमदत्त सिंह सर जो है उन्होंने हमारे महाविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल में फेल किया है। जो कि हमने रिजल्ट चेक किया तो सभी विषय में फेल या अनुपस्थित व्यक्ति प्रैक्टिकल में पास है और जो सभी सब्जेक्ट में पास हो चुका है वह प्रैक्टिकल में फेल है। इसके पहले भी हमने यह समस्या को लेकर ज्ञापन दिया था प्राचार्य ने कहा था कि इसमें हम कुछ नहीं कर पाएंगे। इस प्रकार विद्यार्थियों के साथ अन्याय किया जा रहा है ऐसे में हमारे द्वारा फेल छात्रों के साथ यह आंदोलन किया गया है। यदि कार्यवाही नहीं होती है तो हम और महाआंदोलन का दोमदत्त सिंह सर को बता देगें कि कैसा छात्रों की भविष्य के साथ खिलवाड़ करना होता है।

शिकायत हमारे पास आई है इसमे जांच की जाएगी-एस एस गेड़ाम

प्रभारी प्राचार्य एस एस गेड़ाम ने बताया कि महाविद्यालय के छात्रों के द्वारा सूचना दी गई की थ्योरी में अब्सेंट छात्र को प्रैक्टिकल में पास कर दिया गया है। यह जो शिकायत हमारे पास आई है इसमे हमारे द्वारा जांच की जाएगी और पूर्व में जो विद्यार्थियों ने ज्ञापन दिया था। उसे समय तत्कालीन प्राचार्य से भी जानकारी ली जाएगी कि उनके द्वारा क्या कार्यवाही की गई है। यदि नहीं की गई है तो इस बार कार्यवाही की जाएगी रुपये लेकर प्रैक्टिकल में नंबर देने के विषय में किसी भी छात्र ने शिकायत नहीं की है । उपस्थित छात्रों के द्वारा संभावना बताई जा रही है मामले में पूरी जांच की जाएगी।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि वार्षिक सत्र प्रारंभ हो गया है जिसमें प्रोजेक्ट पहले होते हैं। जुलाई में सत्र प्रारंभ होते ही अगस्त से प्रोजेक्ट चालू हो जाता है और वार्षिक परीक्षा फरवरी ,मार्च में होती है। ऐसे में प्रोजेक्ट के लिए जो टास्क विद्यार्थियों को दिए जाते हैं वह पूरा नहीं कर पाते हैं तो उन्हें फेल किया गया है। मेरे पास कॉपी है कोई भी बच्चा नियम अनुसार कार्यवाही का अपनी कॉपी देख सकता है। यह सभी आर्ट के बच्चे हैं ऑर्गेनिक फार्मिंग साइंस का सब्जेक्ट है इसलिए शायद यह स्थिति हो रही है और जो रुपये लेने एवं सभी प्रकार के आरोप हैं वह निराधार है।

दोमदत्त सिंह
शिक्षक ऑर्गेनिक फार्मिंग

सर्पदंश से अजय बीमार अस्पताल में उपचार जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटी कोचेवाही निवासी अजय पंचेश्वर ५ जुलाई की दोपहर में सर्पदंश से बीमार हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में खेती कार्य प्रारंभ हो गया है हर कोई खेतों में बेहतर फ सल के लिए मेहनत कर रहे हैं। ऐसे ही अजय पिता मनदूलाल पंचेश्वर २९ वर्ष छोटी कोचेवाही निवासी भी अपने खेत में चालू परहा कार्य के दौरान पार कोंटा मरने का काम कर रहा था। उसी समय सर्प ने उसके दाये हाथ की ऊँगली में काट लिया यह घटना देख उसके द्वारा परिवार के लोगों को सूचना दी गई । जिन्होंने उसे तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया है जहां उसका उपचार जारी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी- भारत की एकता के अमर प्रहरी

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गई थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है। 2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छो?कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कठपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोजगार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है। दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। भारत को इस धर्म-राजनीति के संघर्ष में विवेकपूर्ण, दृढ़, निर्णायक और न्यायोचित भूमिका निभाते हुए न केवल तिब्बती जनता का, बल्कि विश्व भर के धार्मिक अधिकारों का भी संरक्षक बनना चाहिए। यही भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की नीति की सच्ची अभिव्यक्ति होगी।

-ललित गर्ग

पृथ्वी पर ओजोन का बढ़ता खतरा

विश्व भर में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से निजात पाने के लिए तो तमाम सारे कानून मौजूद है ,लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि पृथ्वी की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा की रोकथाम के लिए कोई कानून नहीं है। गौरतलब है कि भूमि पर ओजोन की बढ़ती मात्रा वायु प्रदूषण में ईजाफा कर रही है। जानकारों का कहना है कि इस अदृश्य प्रदूषण को नजरंदाज नहीं किया जा सकता, क्यों कि यह मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इन दिनों हमारी पृथ्वी जिस नए संकट से जूझ रही है, वह भूमि पर मौजूद ओजोन का खतरा है। 16दिसम्बर1987 को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में ओजोन परत से उत्पन्न संकट के निदान हेतु कनाडा के मांट्रियल शहर में विश्व भर के तीन दर्जन से अधिक देशों ने स्वेच्छा से समझौते पर दस्तखत किए थे। उक्त समझोते को मेट्रियल प्रोटोकॉल के नाम से जाना जाता है। कनाडा सम्मेलन में इस मुद्दे पर भी विचार विमर्श किया गया था कि ओजोन परत का विनाश करने वाले पदार्थ क्लोरोफलोरो कार्बन के उत्पादन और उपयोग को कैसे सीमित किया जाए। हिंदुस्तान ने भी इस पर अपनी सहमति जताते हुए दस्खत किए थे, लेकिन हैरत की बात है कि इस पर अभी तक अमल नहीं हुआ। तल्ख सच्चाई यह है कि ओजोन गैस वायुमंडल में पतली और पारदर्शी परत के रूप में मौजूद रहती है। हालांकि वायुमंडल में ओजोन का प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत कम होता है। ओजोन की मात्रा क्षोभ मंडल में भी पाई जाती है। यह हानिकारक पैरा बेंगनी विकिरण से बचाने का काम करती है । वर्तमान समय में मानव जनित औद्योगिक प्रदूषण के परिणाम स्वरुप क्षोभ मंडल में ओजोन की मात्रा बढ़ रही है। वाहनों से उत्सर्जित होने वाला धुआं जैसे ही सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आता है तो ओजोन का निर्माण होता है। यह ओजोन गैस लोगों के बाद स्वास्थ्य और सेहत को तो खराब कर ही रही है, फसलों को भी नुकसान पहुंचा रही है। हालात यह तक पहुंच गए हैं कि जैसे जैसे वाहनों की संख्या में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे इसकी गति भी बढ़ रही है।ऐसी स्थिति में पर्यावरण में उपस्थित ओजोन वैज्ञानिको के लिए चुनौती बनता जा रहा है। पर्यावरण में तेजी से बढ़ती ओजोन की मात्रा से इंसानियत को हो रहे नुकसान को देखते हुए विश्व भर में अनेक शोध हो रहे हैं। हिन्दुस्तान में भी राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक यह पता लगने का प्रयास कर रहे हैं कि यदि पर्यावरण में ओजोन की मात्रा निरंतर बढ़ती रही तो फसलों पर इसका कितना असर पड़ेगा। वायुमंडल में ओजोन की पतली परत की मोजुदगी वेज्ञानिको की चिन्ता का कारण बना हुआ। है । ओजोन परत आक्सीजन के तीन अणुओं से बना है। जीवन के लिए आक्सीजन के सिर्फ दो अणुओं की आवश्यकता होती है, सच तो यह है कि आक्सीजन के तीन अणु नुकसानदेह होते हैं जो भूमि पर एकत्रित होकर मानव और पौधों की सांस में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। विधुत संयंत्र, वाहनों, रिफाइनरियों और अन्य स्त्रोतों से हुआ प्रदूषण सूर्य के प्रकाश के साथ मिलता है, तो हानिकारक गैस ओजोन का निर्माण होता है और वह भूमि पर जमा होती जाती है। गौरतलब है कि सर्दियों के दौरान स्मागका निर्माण भी ऐसे ही होता है,स्माग के निमित होने की अहम वजह ओजोन ही होता है।जब हवा में घुली ओजोन मनुष्य के फेफड़ों में जाती है तो यह फेफड़ों के छोटे छोटे -छोटे छेदों को बंद करने का प्रयास करती है। ऐसे में इसके प्रभाव से सीने में दर्द और खांसी होने लगती है यह तक कि फेफड़े तक काम करना बंद कर देते हैं, जिससे इंसान की मौत तक हो जाती है। मौजूद दौर में अस्पतालों में प्रति दिन त्वचा संबंधी रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जानकारों के मुताबिक ऐसा इस कारण से हो रहा है क्योंकि सुरक्षा कवच कहीं जाने वाली ओजोन की परत का क्षरण हो रहा है। यदि समय रहते ओजोन परत की हिफाजत नहीं की तो आने वाले दिनों में तमाम सारी जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। लिहाजा इससे बचने के लिए हमें भूमि के इर्द-गिर्द बढ़ती ओजोन गैस को रोकना होगा। शोध से ज्ञात हुआ है कि जमीनी स्तर पर ओजोन गैस फसलों को क्षति पहुंचा रही है। इसका असर दिखाई देने लगा है, गेहूं, चावल, सोयाबीन और कपास की फसलो को क्षति पहुंची। माना जाता है कि हमारे देश में फसलों को हुई क्षति की अहम वजह भूमि पर मौजूद ओजोन ही है। पेड़ पत्तियों पर इस का असर दिखाई देने लगा है उनके पत्ते सूखने लग गए हैं। हालांकि ओजोन परत को क्षति पहुचाने के लिए सबसे ज्यादा कसूरवार चीन को ठहराया जा रहा है। क्यों कि चीन के तमाम सारे उद्योग भारी मात्रा में प्रतिबंधित गैसें खुले वातावरण में छोड़ रहे हैं, जिससे ओजोन की परत के छेद में इजाफा हुआ है। कड़वा सच किया है कि चीन के पूर्वोत्तर में लगे तमाम सारे उद्योगों से भारी मात्रा में ओजोन परत को भेदने वाली गैसे निकल रही है। शोधकर्ताओं का दो टूक शब्दों में कहना है कि जमीनी स्तर पर ओजोन का प्रभाव हिन्दुस्तान और चीन जैसे मुल्कों पर सबसे ज्यादा होगा। उधर नॉर्वे और अटलांटिक में भी भूमि पर ओजोन की समस्या गंभीर है ।ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां गर्मियों में 24 घंटे का दिन होता है। हाल के वर्षों में नार्वे में ओजोन की मात्रा 150 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के करीब पहुंच गई है। अभी तक जितने भी शोध हुए हैं ,उनसे पता चला है कि कैसे दिन बड़े होने से भूमि पर ओजोन पौधों को प्रभावित करती है ।दुनिया में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए तो कई कानून लेकिन भूमि की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा को रोकने के लिए कोई विशेष कानून अभी तक नहीं बना है ।भूमि पर ओजोन की बढ़ती मात्रा वायु प्रदूषण को बढ़ा रही है ।आने वाले वक्त में इस अदृश्य प्रदूषण को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता ,क्योंकि यह मानव और पर्यावरण के लिए बहुत घातक साबित हो सकता है । ओजोन परत को भूमि का सुरक्षा कवच माना जाता है ,जो पराबैंगनी किरणों के हानिकारक प्रभाव से हमारी रक्षा करता है ।लेकिन पृथ्वी पर तेजी से बड़े रहे प्रदूषण के कारण ओजोन की परत घटती जा रही है ।प्रदूषण कम करने के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं लेकिन हकीकत है कि फिर भी ओजोन की परत को सुरक्षित करने में तमाम सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ।ओजोन परत के क्षय की मुख्य वजह कुछ और नहीं ,बल्कि हम स्वयं जिम्मेदार हैं । यदि पर्यावरण में ओजोन की मात्रा इसी तरह गति से बढ़ती रही तो गेहूं के साथ दालें ,चावल, मूंगफली ,सोयाबीन आदि फसले भी इससे प्रभावित हो सकती है ।वैसे वैज्ञानिक गेहूं की उन प्रजातियों का पता लग रहे हैं जो ओजोन के दुष्प्रभाव के बावजूद ज्यादा अच्छी उपज दे सके ।ओजोन परत तकरीबन99प्रतिशत तक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर लेती है। इसके संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ही मांट्रियल प्रोटोकॉल के मुताबिक 16 सितम्बर को ओजोन दिवस मनाया जाता है।

सच तो यह है कि वर्तमान समय में विश्व के विकसित देश हो अथवा विकासशील देश कोई भी पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से अछूता नहीं है। पिछले 50सालों में समूचे विश्व में पर्यावरण संबंधी समस्या से निजात पाने के लिए तमाम सारी योजनाएं बनाई गई, वैश्विक सम्मेलन से लेकर वैश्विक संधियां हुई, लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम अभी तक सामने नहीं आए।

मुकेश तिवारी

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है- गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को चातुर्मास या वर्षायोग कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है।

जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जो?ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। य ह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए हैं। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

महर्षि डॉ. योगभूषण महाराज

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। कमजोर आवक के कारण शनिवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार में तेज़ी देखी गई। वहीं, शक्कर में सुस्ती बनी रही और खाद्य तेलों में भी बाज़ार नरम रहे। तिलहनों में भाव स्थिर रहे, जबकि दलहनों में चना मजबूत बना हुआ है। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, नारियल की आवक केवल 3 गाड़ी रही, जिससे कम आपूर्ति के कारण बाजार में उछाल आया। 250 भरती नारियल 5000-5100 रुपये प्रति थैले पर पहुंच गए। शक्कर के भाव में स्थिरता रही। खाद्य तेलों के बाजार कमजोर ही बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4200-4250 रुपये प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। दूसरी ओर, दलहनों में चना 6000-6075 रुपये प्रति क्विंटल पर मजबूती से टिका रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4110, खोपरा गोला 320-365, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बार्र?क 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2205, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1180-1185, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1170, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6500, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4200-4250, टोली (महुआ बीज) 4350-4500, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6075, एवरेज 5200-5500, विशाल 5450-5550, काबुली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 107300, चाँदी (99) 107200, टंच 106700, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97700

एलआईसी ने पेश की दो नई योजनाएं

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए दो नई योजनाएं लॉन्च की हैं — नव जीवन श्री (प्लान 912) और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (प्लान 911)। ये योजनाएं बचत और जीवन बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती हैं, जिससे वित्तीय सुरक्षा और भविष्य के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सके। नव जीवन श्री योजना विशेष रूप से युवा पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो बचत के साथ परिवार को जीवन बीमा सुरक्षा भी देती है। वहीं नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम योजना उन निवेशकों के लिए है जो एक बार में बड़ी राशि निवेश कर फंड बनाना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि संशय हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें। बिजनेस कर रहे लोगों को अपने जूनियर्स का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन परिवार के किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपका कोई बिगड़ा हुआ काम भी बनने की संभावना है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप अपने शारीरिक समस्याओं को नजरंदाज कर सकते हैं। आप किसी काम को दूसरे के भरोसे ना छोड़ें, नहीं तो वह लटक सकता है। आप अपनी शौक और मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपके कुछ खास व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है। पार्टनरशिप आप थोड़ा सोच समझकर काम करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी कला और कौशल में निखार आएगा।

मिथुन- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है, मनचाहे कोर्स में दाखिला मिल सकता है। आप यदि अपने आस-पड़ोस में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान थे, तो उनसे आपको छुटकारा मिलेगा, लेकिन आपको अपने किसी मित्र के कुछ धन का इंतजाम भी कर सकते हैं। आप आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी लीक ना होने दें, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ेंगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान सम्मान में वृद्धि होने से खुशी होगी। आपको पिताजी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान देंगे। जीवनसाथी से आपको किसी प्रॉपर्टी को लेकर कोई बातचीत हो सकती है। आज आपको उनकी भावनाओं का सम्मान करना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए रहेगा। आप अपनी वाणी पर संयम रखें, नहीं तो आपको बाद में पछतावा हो सकता है। आपने यदि किसी काम को लेकर कोई लोन अप्लाई किया था, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा, लेकिन वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। आप अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखें और धन संचय करने की कोशिश करें, जिससे कि भविष्य में आपको आर्थिक समस्याओं का सामना न करना पड़ें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आवश्यक कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें, नहीं तो पिताजी से आपको डांट खानी पड़ सकती है। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है और कोई धार्मिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आप किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए यदि समय से प्रयास कर रहे थे, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपकी योजनाएं भी आपको बेहतर लाभ देंगी।

तुला- आज आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपके आस-पड़ोस में किसी से कोई बात को लेकर बहसबाजी होने की संभावना है। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात कहने का मौका मिलेगा। आपके बॉस आपके कामों से काफी खुश रहेंगे और आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपसे जल्दबाजी के कारण कोई गड़बड़ी हो सकती है, लेकिन आप उसे अपने जूनियर की मदद से ठीक करने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको कोई पुरानी समस्या उभर सकती है और आप काम पर ज्यादा ध्यान देंगे, जिस कारण आप आराम के लिए समय निकालेंगे। आप अपने घर के रखरखाव में भी कुछ बदलाव कर सकते हैं और अपने रहन-सहन के स्तर में भी सुधार लेंगे। किसी नए वाहन को आप अपने घर लेकर आ सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आप अपने बिजनेस की समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे और आपके मन में टेंशन भरपूर रहेगी, लेकिन आप बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण परेशान में आ सकते हैं, इसलिए आप लोगों से तोलमोल कर ही बोलें, तो ही बेहतर रहेगा। आप संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें, वह किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका एक साथ कई काम हाथ लगने से व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन आप अपने खर्चों को भी थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा और आप अपनी इनकम का ध्यान में रखकर व्यय करें, तो आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाले हैं, क्योंकि उनके कामों से उन्हें एक नई पहचान मिलेगी। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा ध्यान रहकर करना होगा, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है। संतान को आप किसी प्रतियोगिता में भाग दिला सकते हैं। आपको किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है, लेकिन किसी कानूनी मामले में आपको काफी मेहनत मशक्कत के बाद खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए थोड़ा सावधान रहने के लिए रहेगा, क्योंकि कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकते हैं। आपको अपनी बुद्धि पर नियंत्रण करके चलना होगा। पारिवारिक कलह आपके लिए सिरदर्द बन सकती है, जिसे आप वरिष्ठ सदस्यों की मदद से दूर करने की कोशिश करें। किसी अनजान व्यक्ति पर आप बिल्कुल भरोसा ना करें।

शब्दजाल - 7951

शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

बं	ल	र	ह	द	ब	र्नि	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

मेरे अपने,छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन,बंदिश,दो उस्ताद,हीरो,आंधी तूफान, जवाब,बुलंदी

शब्दजाल - 7950 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 6895

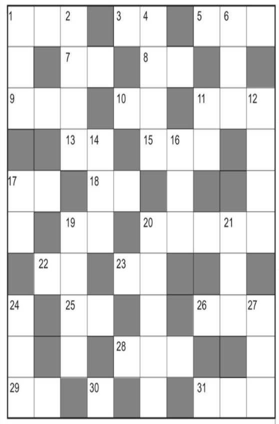

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6894

अ	मृ	त		गु	स		दी		घा
क्स		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		टा		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	तुला में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.09 बजे से
सिंह	08.25 बजे से
कन्या	10.37 बजे से
तुला	12.48 बजे से
वृश्चिक	15.02 ब.से
धनु	17.18 बजे से
मकर	19.24 बजे से
कुंभ	21.10 बजे से
मीन	22.43 बजे से
मेष	00.13 बजे से
वृष	01.54 बजे से
मिथुन	03.52 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 187 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 22.42 बजे को समाप्त।
योग साध्य 21.27 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.10 बजे तदनन्तर विष्टि 21.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872397
जूलियन दिन 2460862.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 10
विशेष देवशयनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रसन्न रहने की कला

एक संत सदा प्रसन्न रहते थे। वह हर बात पर ठहाके लगाते रहते। कुछ चोरों को यह बात अजीब लगती थी। वे समझ नहीं पाते थे कि कोई व्यक्ति हर समय इतना खुश कैसे रह सकता है। चोरों ने यह सोच कर कि संत के पास अपार धन होगा, उनका अपहरण कर लिया। वे उन्हें दूर जंगल में ले गए और बोले, 'सुना है संत कि तुम्हारे पास काफी धन है, तभी इतने प्रसन्न रहते हो। सारा धन हमारे हवाले कर दो वरना तुम्हारी जान की खैर नहीं।' संत ने एक-एक कर हर चोर को अलग-अलग बुलाया और कहा, 'मेरे पास सुखदा मणि है मगर मैंने उसे तुम चोरों के डर से जमीन में गाड़ दिया है। यहां से कुछ ही दूर पर वह स्थान है। अपनी खोपड़ी के नीचे चंद्रमा की छाया में खोदना, शायद मिल जाए।' यह कहकर संत एक पेड़ के नीचे सो गए। सभी चोर अलग-अलग दिशा में जाकर खोदने लगे। जरा सा उठते चलते तो छाया भी हिल जाती और उन्हें जहां-तहां खुदाई करनी पड़ती। रात भर में सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढे बन गए पर कहीं भी मणि का पता नहीं चला। चोर हताश होकर लौट आए और संत को भला-बुरा कहने लगे। संत हंस कर बोले, 'मूर्खों, मेरे कहने का अर्थ समझो। खोपड़ी तले सुखदा मणि छिपी है अर्थात उस में श्रेष्ठ विचारों के कारण मनुष्य प्रसन्न रह सकता है। तुम भी अपना दृष्टिकोण बदलो और जीना सीखो।' चोरों को यथार्थ का बोध हुआ। वे भी अपनी आदतें सुधार कर प्रसन्न रहने की कला सीखने लगे।

सूडोकू नवताल- 7204

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7203 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 8419

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रातः-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -8418 का हल

प्र	का	श		छ		आ	स	
हा		र	स	म	ला	ई		जों
र	म	ण		छ		ना	ह	क
	न			म			क	
अ	प	रा	ध		न	ह	ला	ना
	सं			जा			ह	
क	द	म		न		ब	ट	र
ब्र		द	शा	व	ता	र		ई
	फो	न		र		खा	लि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त गंवाई

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार ने बीते सप्ताह दो हफ्ते की बढ़त गंवा दी। बाजार के जानकारों ने कहा कि वित्तीय सेक्टर में बड़ी साप्ताहिक गिरावट से बाजार में दबाव रहा। वहीं टैरिफ डेडलाइन से पहले निवेशक बाजार में सतर्क बने रहे। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर खुला और 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर खुला और 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले दिन हुई गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को हरियाली लौटी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.79 अंक चढ़कर 83,784.25 पर खुला और 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 51.2 अंक चढ़कर 25,568.25 पर खुला और 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर

बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरियाली बरकरार रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.56 अंक चढ़कर 83,933.85 पर खुला और 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 66.3 अंक चढ़कर 25,608.10 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख को दर्शाते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक चढ़कर 83,652.52 अंक पर खुला और 170.22 अंक गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 83.65 अंक चढ़कर 25,537.05 अंक पर खुला और 48.10 अंक गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान बैंक शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि, बाद में बाजार में सपाट रुख देखने को मिला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 67.34 अंक बढ़कर 83,306.81 पर खुला और 193.42 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 23.55 अंक बढ़कर 25,428.85 पर खुला और 55.70 अंक बढ़कर 25,461 अंक पर बंद हुआ।

डेटा पर नियंत्रण देश के लिए जरूरी

नई दिल्ली। भारत का तेजी से विकास हो रहा है और वह मध्यम आय से उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। केवल चुनिंदा दक्षिणपूर्वी एशियाई देश मसलन सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, ताइवान और दक्षिण कोरिया ने ही सफलतापूर्वक यह हासिल किया है। भारत के लिए टिकाऊ वृद्धि का अहम स्रोत डिजिटल मजबूत होने में है और इसके लिए मजबूत डेटा संरक्षण आवश्यक है। तेजी से उभरते टेक क्षेत्र और 108 यूनिकॉर्न के साथ भारत में प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। ब्लॉकचेन, एबीसीडी तकनीकों (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, क्लाउड एडॉप्शन और डेटा एनालिटिक्स की परिवर्तनकारी क्षमताएं) तो पूरी तरह निर्विवाद हैं और वे तेजी से हमारे रोजमर्रा के जीवन में पैठ बना रही हैं। अब हम अपने ऊपर एआई के प्रभाव को लेकर पहले की तरह लापरवाह नहीं रह सकते। चाहे बात खुदरा क्षेत्र की हो, अस्पतालों की, कृषि की या हमारी रक्षा प्रणालियों की। इसके बावजूद एक अहम चुनौती अभी तक अनसुलझी है और वह है डेटा संप्रभुता। तकनीक वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को निरंतर नया आकार दे रही है ऐसे में भारत को अपने विचारों को नए सिरे से सुसंगत बनाना होगा और इस बात को ध्यान में रखना होगा कि हमारा डिजिटल भविष्य सुनिश्चित करने का काम बाह्य संस्थाओं द्वारा नहीं तय होना चाहिए बल्कि उसकी बुनियाद सुरक्षित, संप्रभु और आत्मनिर्भर डेटा संचालन पर होनी चाहिए। नए व्यापारिक शुल्कों और पहलगाम जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सख्त सुरक्षा को देखते हुए डेटा सुरक्षा केवल नियामकीय चुनौती नहीं रह गई है। अब यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला है।

ग्रामीण बाजारों में मांग तेज, एफएमसीजी कंपनियों को दिखी बिक्री में मजबूती

नई दिल्ली। देश की प्रमुख एफएमसीजी (दैनिक उपभोक्ता वस्तुएं) कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए निवेशकों को अपने प्रारंभिक अपडेट में बताया है कि वॉल्यूम ग्रोथ में स्थिरता आधार पर सुधार देखा गया है। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में मांग धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। हालांकि कुछ कंपनियों को चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। डाबर इंडिया ने बताया कि इस तिमाही में वॉल्यूम ग्रोथ में वृद्धि हुई है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। लेकिन मॉनसून के जल्दी आने से गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग प्रभावित हुई और पेय पदार्थों की बिक्री में गिरावट आई। इसके चलते समेकित राजस्व में केवल एकल अंक में वृद्धि की उम्मीद है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने वॉल्यूम ग्रोथ को प्रतिस्पर्धी बताया और कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में दो अंकों की एबिटा वृद्धि की उम्मीद है। मैरिको ने कहा कि उसकी वॉल्यूम ग्रोथ कई तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंची है। ग्रामीण बाजारों में सुधार और शहरी मांग की स्थिरता इसके पीछे मुख्य कारण हैं। कंपनी को महंगाई में कमी और बेहतर मॉनसून से आगे भी सकारात्मक रुझानों की उम्मीद है। हालांकि, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने बताया कि कमजोर उपभोक्ता मांग ने इस तिमाही में दबाव डाला है, हालांकि चावल व्यवसाय में रणनीतिक मजबूती देखने को मिली है। कुल मिलाकर, एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में स्थिर सुधार दिख रहा है, लेकिन मौसमी बदलावों और उपभोक्ता व्यवहार में उतार-चढ़ाव कंपनियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहे हैं।

दखनीटोला मार्ग की बदहाल स्थिति, ग्रामीणों का आक्रोश

वार्ड वासियों ने मार्ग को रूधंकर किया अवरूद्ध

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के ग्राम पंचायत बिसोनी के वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 जो दखनीटोला आवास में आता है आवास तक पहुंचने वाला मार्ग जो कि लांजी बालाघाट मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है लेकिन संपूर्ण मार्ग वर्तमान में कीचंड से सना हुआ है वार्ड वासियों का चलना दुभर हो चुका है वहीं ना तो अन्दर मकानों तक वाहन पहुंच पा रहे ना ही स्कूल वैन इत्यादि जिसके चलते निवासरतों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह परेशानी ग्रामीण जनो को प्रतिवर्ष होती है जिसकी अनेको बार शिकायतें भी हो चुकी है लेकिन यहां बात यह आ जाती है कि जिम्मेदारों का कहना है उक्त मार्ग नक्शे में ही नही है इसलिये मार्ग का निर्माण नही हो पा रहा है। यह बात सुनकर वार्ड वासियों ने एक अलग ही कदम उठाया उन्होने 5 जुलाई को सुबह उक्त मार्ग ही अवरूद्ध कर दिया तथा यह एक तख्ती टांग दी की यह मार्ग नक्शे मे नही है यहा से आना जाना प्रतिबंधित है उक्त मार्ग बंद कर अपना आक्रोश पंचायत एवं शासन प्रशासन के प्रति व्यक्त किया। बताया जा रहा है कि पंचायत द्वारा प्रति वर्ष ग्रामीणों को उक्त मार्ग के दुरूस्तीकरण का हवाला दिया जाता है परंतु वर्षाकाल बीत जाने के बाद यह वादे भूला दिये जाते है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त मार्ग में विगत दिनों ग्रापं द्वारा आवागमन की समस्या को देखते हुए मुरूमीकरण किया गया परंतु लगातार बारिश होने और बड़े वाहनो की आवाजाही से मुरूम कीचड़ में तब्दील हो गया। जिससे यहां के रहवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है की दखनीटोला आवास में कीचड़ से भरे मार्ग के किनारे करीब आधा सैकड़ा परिवार है जिनके

द्वारा प्रतिदिन अपनी जरूरत के लिए उक्त मार्ग का उपयोग किया जाता है। परंतु वर्तमान में उन्हें अति आवश्यक सेवाओं के लिए भी संघर्ष करने की जरूरत पड़ रही है जैसे गैस सिलेण्डर वाहन अंदर नहीं आ पा रहा है तो रोड पर उन्हें लेने जाना पड़ रहा है। बच्चों की स्कूल वैन अंदर नहीं आ रही है तो उन्हें कंधे पर बैठा कर मुख्य मार्ग तक छोडने् एवं लाने जाना पड़ रहा है। इस प्रकार हर अति आवश्यक जरूरत के लिए भी लोगों को घरों से निकलकर कीचड़ में पैदल चलकर रोड तक आना पड़ रहा है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश भरा हुआ है।

नक्शे में दर्ज ही नहीं है उक्त मार्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में राजस्व विभाग के नक्शे में उक्त मार्ग दर्ज नही है अनेको बार सरपंच संचिव को मार्ग को नक्शे में दर्ज कराने के बात ग्रामीणों ने कही है लेकिन सरपंच सचिव के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि उक्त मार्ग पर लगभग आधा सैकड़े से अधिक घर बस्ती है उक्त मार्ग को अतिशिघ्र नक्शे में दर्ज कर यह पक्की सड़क का निर्माण किया जाना चाहिये। ग्रामीणो ने आरोप लगाया है सरपंच सचिव उक्त मार्ग के नक्शे में जोडने् तथा निर्माझा को लेकर ध्यान नही देते है।

तहसील कार्यालय से नहीं हुई कार्यवाही- विजय वारे

इस संबंध में ग्राम पंचायत बिसोनी के सरपंच प्रतिनिधी और पूर्व संरपंच विजय वारे ने कहा की हमारे द्वारा उक्त मार्ग के निर्माण के संबंध में विधायक राजकुमार कर्राहे से निवेदन किया गया था जिनके द्वारा तहसीलदार को उक्त मार्ग को नक्शे में दर्ज कराने की प्रक्रिया के लिये निर्देशित किया गया है मार्ग के नक्शे में दर्ज होने के बाद पक्की सड़क निर्माण के लिये पंचायत को आदेशित किया गया था परंतु तीन माह से अधिक समय बीतने के बाद भी तहसील कार्यालय से उक्त आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे बारिश के मौसम में दखनीटोला आवास के मार्ग के हालत दयनीय हो चुकी है।

इनका कहना है

उक्त संबध में विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि दखनीटोला आवास के ग्रामीणों द्वारा मार्ग बंद किये जाने की जानकारी मुझे मिली है। मेरे द्वारा सरपंच सचिव को पूर्व में ही उक्त मार्ग को राजस्व के नक्शे में दर्ज कराने के लिये तहसील कार्यालय में आवेदन करने के लिये निर्देशित किया जा चुका है परंतु उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर आज पुनः मैने सरपंच-सचिव को निर्देशित किया है और फटकार भी लगाई है। ग्रामीणों को जो परेशानी हो रही है उसका शीघ्र ही निराकरण किया जाएगा।

विधायक

राजकुमार कर्राहे

दखनीटोला आवास मार्ग जो 100 वर्षों से भी पुराना है, परंतु उक्त मार्ग का राजस्व के नक्शे में दर्ज न होना विभाग की बहुत बड़ी लापरवाही है। इस रोड में हमेशा ही ग्रामीणों को बारिश के समय दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण पिछले कई वर्षो से उक्त मार्ग के निर्माण के लिये शासन प्रशासन से गुहार लगा रहे है परंतु कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बीते वर्ष यहां के ग्रामीणों द्वारा मार्ग में धान के रोपे लगाकर अपना विरोध जताया गया था इसके बाद भी कोई कार्यवाही नही हो पाई है। मेरा मानना है कि विभाग एवं पंचायत को अतिशिघ्र उक्त मार्ग के नक्शे में जोडने हेतु कार्यवाही किया जाना चाहिये अन्यथा अग्रिम

सर्रा में विद्युत हादसे के पीड़ित परिवार को 12 लाख की सहायता राशि प्रदान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत सर्रा में बीते 24 जून को एक हृदय विदारक हादसा घटित हुआ था जिसमें एक ही परिवार के तीन

लोगो की मृत्यू 11 केव्ही विद्युत लाईन की चपेट में आने से हो गई थी। इस घटना में सर्रा निवासी सेवकराम पिता प्यारेलाल पांचे उम्र 30 वर्ष, रेणुका पति सेवकराम उम्र 28 वर्ष, भ्रेजराज यादोराव पांचे उम्र 27 वर्ष की इस घटना में मृत्यू हुई थी। इनकी आकस्मिक के चलते सेवकराम के पिता श्री प्यारेलाल को बेटे और बहु रेणुका की सहायता राशि 8 लाख रूपये का चेक, भोजराज की पत्नि लक्ष्मी बाई को 4 लाख रूपये सहायता राशि का चेक विद्युत मण्डल की ओर से परिजनों के निवासी सर्रा पंहुचकर विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, गौरव बैस, वीणा उपराड़े, सुरजदीन गुप्ता, तुकाराम बारेकर, श्रीराम आचरे सरपंच, झामेन्द्र टीकेश्वर, विद्युत विभाग से सभी अधिकारी कर्मचारी गण की उपस्थिती में 12 लाख रूपये के चेक प्रदान किये गये। वहीं विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा कहा गया कि विद्युत विभाग के द्वारा दी गई सहायता राशि के अलावा मेरी ओर से भी विधायक निधि से परिवार के निराश्रित बच्चो को सहायता राशि प्रदान की जावेगी। इसके अतिरिक्त विद्युत मण्डल के अधिकारी कर्मचारी भी स्वैच्छिक रूप से राशि जमा कर परिजनों के बच्चो के भीविष्य के राशि प्रदान की जा रही है। आपने कहा कि पीडित परिवार के साथ प्रदेश सरकार, शासन प्रशासन हमेशा साथ खड़ी है। आगे भी जो मदद हमारे द्वारा हो सकेगी हम करेंगे। तथा यह भी सुनिश्चित करेंगे की सरकार की योजनाओं का लाभ भी पीडित परिवार को मिल सके। इसके अलावा विधायक कर्राहे विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि यह बड़ा वनांचल क्षेत्र है यहां पर एक सब स्टेशन अत्यंत आवश्यकता है जिसका प्रारूप तैयार किया जाये तथा वर्तमान में दो लाईनमेनो की व्यवस्था त्वरित की जाये जिससे वनांचल क्षेत्र में भी सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति उपभोक्ताओं को मिल सके। तथा समय समय पर रखरखाव कार्य पूर्ण किया जा सके ताकि हम इस तरह के हादसो बच सके।

बिरनपुर के वार्ड क्रमांक 13 में पक्की सड़क नहीं होने से लोगों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन प्रशासन के द्वारा लगातार विकास कार्य के लिये योजनाऐं सहित राशि भी प्रदाय की जाती है लाखों करोड़ो रूपयो की लागत से सड़क आदि निर्माण कार्य करवाये जाते है लेकिन इन निर्माण कार्यो पर पलीता ठेकेदार, निर्माण एजेंसी लगाती है, जिसके निर्माण कार्यो की पोल बारिश में खुलती है। कुछ ऐसा ही आलम जनपद पंचायत लांजी के ग्राम बिरनपुर के वार्ड क्रमांक 13 का है जहां पर आजादी के 75 साल बाद भी पक्की सड़क नहीं है और आज भी आधा दर्जन से ज्यादा परिवारों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होती है क्योंकि उन्हें तो रोज स्कूल जाना ही पड़ेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की बदहाली को लेकर बार-बार शिकायत भी की गई है लेकिन कोई निराकरण अब तक नहीं निकला है। यह भी बताया गया कि बीतें दिनों जनपद पंचायत सीईओ रामगोपाल यादव भी मौके स्थल पर पहुंचे थे लेकिन फिलहाल के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। सड़क की समस्या की शिकायत के बाद 5 जुलाई की सुबह सरपंच पति राजेश्वर लिल्हारे, पूर्व जनपद सदस्य करण सिंह नागपुरे, 2 पटवारी,

कोटवार और ग्रामीणजन एकत्रित हुए। मौजूद पटवारी ने ग्रामीणों को बताया कि यहां खसरे में सड़क तो दर्ज है लेकिन खसरा नंबर नहीं है, तो वहीं पंचायत के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पटवारी साफ कर दें कि सड़क का खसरा नंबर क्या है तो हम यहां पक्की सड़क बना देंगे। पटवारी ने खसरा नंबर को लेकर तहसीलदार के द्वारा आदेश किये जाने की बात कही तो वहीं सरपंच के द्वारा कहा गया कि खसरा नंबर प्राप्त होते ही सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।

उम्र बीत गई पर सड़क का हाल जैसा का वैसा-लालमन फुल्हारे

मेरी उम्र बीत गई तब से यह सड़क का हाल जैसा का वैसा है। इस सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं है। कीचड़ इतना ज्यादा है कि घर से भी निकलने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरपंच और अधिकारी आते हैं और बनाएंगे बोलते हैं पर अभी तक कोई काम शुरु नहीं हुआ है।

भारत माता पब्लिक स्कूल ने शासकीय कार्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में संचालित शिक्षण संस्था भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी के द्वारा शिक्षा के साथ साथ सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य किये जा रहे है जिसके तहत स्कूल प्रबंधन एवं छात्र छात्राओं के द्वारा नगर के विभिन्न सार्वजनिक एवं शासकीय कार्यालयों स्थलों में पंहुचकर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को लेकर शाला परिवार ने शाला परिसर सिविल अस्पताल लांजी, पुलिस थाना लांजी एवं नगर परिषद कार्यालय लांजी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर वन विभाग लांजी से वनरक्षक विशाल आसटकर, विभूति नागझा, अमरनाथ नंदा, राजेन्द्रनाथ बडगुजर, उमेन्द्र सिंह, अमरदीप गजभिये एवं सिविल अस्पताल विभाग लांजी से बी.एम.ओ. डॉ. अक्षय उपराड़े, डॉ. अंकित खरोले, डॉ. रूपेन्द्र गिरिया, डॉ. ओ.पी. नेवारे एवं नर्सिंग आफिसर श्रीमती राजेश्वरी नारनौरे, श्रीमती इंदरानी पारधी, श्रीमती अखण्ड ज्योति गौतम, श्रीमती मीनाक्षी रामटेक्कर, कु नीता पाण्डे, श्रीमती अरूणा रणदिवे एवं नगर परिषद लांजी से नोडल श्रीमती वंदना भार्गव श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, श्रीमती जैवन्ती कचवाहे उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण के इस कार्यक्रम में वनरक्षक विभूति नागझा ने कहां कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं क्योंकि हमें वृक्षों द्वारा ही शुद्ध ऑक्सीजन मिलती हैं लेकिन वर्तमान में मनुष्य वृक्ष लगाने से ज्यादा वृक्षों की कटाई पर ध्यान देता है जबकि प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण

के विषय में सोचना चाहिये। वृक्ष लगाये पर्यावरण बचाये। इसी कड़ी में नगर परिषद लांजी श्रीमती वंदना भार्गव ने नगर परिषद द्वारा संचालित अमृत हरित अभियान के विषय में जानकारी देते हुये बताया कि नगर परिषद के द्वारा उक्त अभियान के तहत 15 वार्डो में 7 हजार पौधो का रोपण किया जायेगा। वृक्ष हमारे लिए उतने ही आवश्यक हैं जितना की जल। वृक्षारोपण करना ही जरूरी नहीं है जो पौधा आपने रोंपा है उसका पालन-पोषण कर उसे बढाना भी आवश्यक हैं। इसी कड़ी में विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि हमारे द्वारा छात्र छात्राओं को समय समय पर पर्यावरण जागरूकता, स्वच्छता सहित अनेको गतिविधियों के लिये प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भारत माता पब्लिक स्कूल के संचालक बिनीश मैथ्यू, प्राचार्य नीनान चिरयान, सनोज पी.एस. एवं समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ तथा छात्र-छात्राएँ सम्मिलित रहें।

आज देवशयनी एकादशी से मांगलिक कार्यों में लगेगा विराम

लांजी(पद्मेश न्यूज)। आषाढ़ मास के एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है, हिन्दू धर्म में मान्यता के अनुसार देवशयनी एकादशी (आषाढ़ शुक्ल 11) से देवोत्थान एकादशी (कार्तिक शुल्क 11 तक) देवता सोते हैं । इसी आधार पर तमाम कर्मकाण्डी पंडितों द्वारा इस बीच विवाह, यज्ञोपवित आदि पारिवारिक संस्कार करने कराने का निषेध किया जाता है। इसी आधार पर देवशयनी एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक मांगलिक कार्यक्रमों पर विराम लगा रहेगा, जिसके चलते वैवाहिक कार्यक्रम इस तरह के कार्यों पर विराम लग गया। वहीं दूसरी ओर चतुर्मास प्रारंभ होते ही धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजन कार्यक्रम, सावन लगते ही अखंड रामायण पाठ एवं अभिषेक पूजा अर्चना जैसे धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। इसी के साथ चतुर्मास प्रारंभ होते ही गुरु शिष्य परंपरा अनुसार बहुत से लोग अनुष्ठान, जप, ध्यान, नियमों का पालन करते हुये घरों में मिट्टी के पार्थिव

शिवलिंग बनाकर पूजा अर्चना की जाएगी।

विट्ठल - रुखमाई मंदिर में आषाढ़ी एकादशी पर आज होंगे धार्मिक कार्यक्रम

लांजी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सुन्दरटोला में स्थित भगवान विठ्ठल - रुखमाई मंदिर में आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बड़े ही भक्ति भाव से अभिषेक पूजन भजन के साथ उत्साह पूर्वक मनाकर प्रसादी का वितरण किया जाएगा। ज्ञात हो कि त्रिलोकराव रामटेक्कर जो कि वर्तमान में मुम्बई में रहते हैं के द्वारा अपने पैतृक निवास में वर्ष 2012 में भव्य मंदिर का निर्माण कर पढंरपुर से भगवान विठ्ठल - रुखमाई की प्रतिमाओं को लाकर स्थापित किया गया है। जो कि हमेशा सभी भक्तों के लिए खुला है। यह नगर व क्षेत्र का एक मात्र भगवान विठ्ठल - रुखमाई का मंदिर देवस्थान है। यहां प्रतिवर्ष उनके द्वारा देवशयनी एकादशी (आषाढ़ी एकादशी) पर्व पर लांजी पहुंचकर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसी के तहत आज 6 जुलाई को सुबह भगवान विठ्ठल - रुखमाई का अभिषेक पूजन किया जाएगा। दोपहर में भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जल जीवन मिशन में 1000 करोड़ रूपए की कमीशनखोरी का मामला...अब विभाग के अफसर पूरे मामले में लीपापोती करने में जुटे

'बड़ों' को राहत...छोटों की घेराबंदी

250 से अधिक उपयंत्रियों और सहायक यंत्रियों को नोटिस देने की तैयारी

भोपाल। जल जीवन मिशन में मप्र के पीएचई विभाग की मंत्री संपतिया उइके पर एक हजार करोड़ की कमीशनखोरी का आरोप लगने के बाद अब विभाग के अफसर पूरे मामले में लीपापोती करने में जुट गए हैं। मंत्री को क्लीनचिट देने के बाद प्रमुख अभियंता इस मामले में कुछ कहना नहीं चाहते हैं। वहीं, प्रदेश के 250 से अधिक उपयंत्रियों और सहायक यंत्रियों को नोटिस देने की तैयारी की जा रही है। कई इंजीनियरों को नोटिस थमा भी दिए गए हैं। इसके विरोध में एमपी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने दोलन की चेतावनी दी है। इधर, पीएचई विभाग के प्रमुख अभियंता संजय अंधवान ने इस पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के संरक्षक इंजीनियर राजेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि हमने मुख्यमंत्री, मंत्री पीएचई विभाग, मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव पीएचई को पत्र लिखकर पूरे मामले में विरोध जताया है। तय किया है कि अगर सरकार उपयंत्रियों और सहायक यंत्रियों को नोटिस देकर कार्रवाई करेगी तो 15 जुलाई को बैठक कर आंदोलन किया जाएगा। राजेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि डीपीआर तैयार करने से लेकर मंजूरी देने, भुगतान करने का काम विभाग के कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री करते हैं। जबकि नोटिस उपयंत्री और सहायक यंत्री को दिया जा रहा है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम को लिखे पत्र में यह जानकारी दी

एसोसिएशन ने सीएम, सीएस, मंत्री, पीएस को दिए पत्र में कहा है कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था के लिए शुरू हुआ है। इसमें तकनीकी स्वीकृति संबंधित कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री एवं मुख्य अभियंता द्वारा जारी की गई।

इस नियम का हवाला भी दिया

डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने सरकार को मैन्युअल भी बताया है जिसमें कहा है कि मप्र निर्माण विभाग मैनुअल के संबंध में सामान्य नियम के अंतर्गत तकनीकी स्वीकृति की व्यवस्था है। डिजाइन और एस्टीमेट की स्वीकृति देने से पहले स्वीकृति देने वाले अधिकारी को संतुष्ट होना चाहिए कि पूरी परियोजना के लिए तकनीकी स्वीकृति की राशि व्यय स्वीकृति की राशि से अधिक होने की संभावना नहीं है। इसके बाद ही मंजूरी दी जानी चाहिए।

उपयंत्री, सहायक यंत्री को नोटिस देना नियमों के खिलाफ

सरकार से कहा है कि उपयंत्री एवं सहायक यंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर प्रोजेक्ट की तकनीकी स्वीकृति देने वाले अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह स्थिति कार्य विभाग मैनुअल में उल्लेखित प्रावधानों से भिन्न है। सरकार से कहा गया है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत योजनाओं की तकनीकी स्वीकृति देने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने के आदेश जारी किए जाएं। केवल उपयंत्री एवं सहायक यांत्रिकियों को नोटिस देकर जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों को बचाए जाने के आरोप को लेकर प्रदेश स्तरीय जल जीवन मिशन एवं पेय जल से संबंधित कार्य छोड़ो आंदोलन किया जाएगा।

पुनरीक्षण के बाद योजनाओं की राशि बढ़ाई

प्रदेश के कई जिलों में पुनरीक्षण के बाद योजनाओं की राशि बढ़ा दी गई। योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान भोपाल परिक्षेत्र में तकनीकी रूप से स्वीकृत की गई 4890 एकल ग्राम योजनाओं में से 1290 ग्रामों की योजनाओं को पुनरीक्षण करने की स्थिति निर्मित हुई, जिनकी मूल लागत 776.59 करोड़ थी पुनरीक्षण के बाद उन योजनाओं की पुनरीक्षित लागत राशि रुपए 1042.34 करोड़ हुई है। इंदौर चीफ इंजीनियर के रीजन में तकनीकी रूप से स्वीकृत की गई 6568 एकल ग्राम योजनाओं में से 1775 ग्रामों की योजनाओं को पुनरीक्षण करने की स्थिति निर्मित हुई। इनकी मूल लागत 1897.08 करोड़ थी। पुनरीक्षण के बाद योजनाओं की पुनरीक्षित लागत 2361.31 करोड़ रुपए हुई है। ग्वालियर चीफ इंजीनियर के रीजन में 5447 एकल ग्राम योजनाओं में से 1284 ग्रामों की योजनाओं को पुनरीक्षण करने की स्थिति निर्मित हुई, जिनकी मूल लागत 1117.94 करोड़ थी। पुनरीक्षण के बाद उन योजनाओं की लागत 1598.10 करोड़ हुई। इसी तरह जबलपुर चीफ इंजीनियर के अधीन आने वाले जिलों में 9789 एकल ग्राम योजनाओं में से 4076 ग्रामों की योजनाओं को पुनरीक्षण करना पड़ा, जिनकी मूल लागत 2548.32 करोड़ थी। पुनरीक्षण के बाद योजनाओं की पुनरीक्षित लागत राशि रुपए 4163.98 करोड़ हुई यानी तकनीकी स्वीकृतकर्ता अधिकारियों द्वारा की गई लापरवाही के कारण पुनरीक्षित योजनाओं की 2825.81 करोड़ की वृद्धि हुई जिसका अतिरिक्त खर्च शासन को वहन करना पड़ रहा है।

एम्स भोपाल ने खरीदा मेडट्रोनिक का 11 करोड़ रोबोट 22 करोड़ में!

भोपाल। भोपाल एम्स (एम्स) एक बार फिर विवादों में है। पहले दवाइयों की मनमानी दरों पर खरीद और अब 22 करोड़ रुपये में खरीदी गई स्पाइन रोबोटिक सर्जरी मशीन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मशीन को अमेरिकी मेडिकल डिवाइस कंपनी मेडट्रोनिक इंडिया के अधिकृत डीलर से खरीदा गया, लेकिन आरोप है कि यह मशीन अमेरिका की फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट में 71 प्रतिशत मामलों में विफले एडवर्स रहे है। इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक यूजर ने एम्स भोपाल समेत स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को दस्तावेजों के साथ शिकायत करते हुए टैग किया है। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेडट्रोनिक इंडिया के मैजोर एक्स स्पाइन रोबोटिक सर्जरी मशीन में गंभीर तकनीकी कमियां दर्ज की गई हैं। बताया जा रहा है कि रोबोट के संचालन में रूकावट, सॉफ्टवेयर एरर, स्क्रू डैमेज और मिसिंग, जैसी गड़बड़ियां शामिल हैं। अब सवाल यह है कि कंपनी ने इस रिपोर्ट की जानकारी एम्स प्रबंधन को दी है या नहीं?

निजी अस्पताल में आधी कीमत पर सप्लाई

यह भी आरोप है कि नारायणा हेल्थ जैसे निजी अस्पतालों को यही मशीन महज 11 करोड़ रुपये में सप्लाई की गई थी। यानी, एम्स में इसकी कीमत लगभग दोगुनी 22 करोड़ रुपए में चुकाई गई। जानकारी के अनुसार, जब आरटीआई के माध्यम से मशीन के क्रय से संबंधित दस्तावेज मांगे गए थे, तो एम्स प्रशासन ने इसे थर्ड पार्टी जानकारी बताकर देने से इन्कार कर दिया। आरोप यह है कि यह जानकारी जानबूझकर छिपाई जा रही है, जिससे गड़बड़ी सामने ना आ सके। एम्स भोपाल ने यह मशीन पटना के एक चैनल पार्टनर (वेंडर) के माध्यम से खरीदी है।

टेंडर प्रक्रिया में भी गड़बड़ियां

टेंडर प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि इस टेंडर में तीन तरह के उपकरण को एक साथ मांगा गया, जिससे सिर्फ चहेती कंपनी की क्वालिफाई हो सके और दूसरी कंपनियां टेंडर में भाग ना ले पाए। एक कंपनी ने इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई, जिसके पास तीन में से एक उपकरण उपलब्ध नहीं था। उनका आरोप है कि एम्स प्रशासन ने उनकी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया। टेंडर के नियमों के अनुसार, मशीन की आपूर्ति से पहले कंपनी को पूर्व में की गई सप्लाई का पर्चेस ऑर्डर (पीओ) प्रस्तुत करना होता है।

विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता मे पीएमश्री माटे के आर्यन ने बाजी मारी

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर मे सहकारिता विभाग द्वारा विकासखण्ड स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।इस निबंध प्रतियोगिता मे विकास खण्ड के विभिन्न 14 संकुलों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें विकास खण्ड अंतर्गत पीएमश्री विद्यालय माटे मे अध्ययनरत छात्र आर्यन गोस्वामी पिता इन्तोस गिरी गोस्वामी ने प्रथम, पीएमश्री विद्यालय किरनापुर मे अध्ययनरत छात्रा सुहानी पांचे पिता रेवेंद्र पांचे द्वितीय स्थान, पल्लवी कौशल पिता देवेंद्र कौशल तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ओबीसी से सिर्फ वोट लेना चाहती है भाजपा

भोपाल। ओबीसी आरक्षण को लेकर कोर्ट की टिप्पणी के बाद मध्यप्रदेश में सियासत गरमाई गई है। मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जीतू पटवारी ने कहा कि जुलाई के आखिरी में राहुल गांधी एमपी आएंगे। वे बुंदेलखंड का दौरा और ओबीसी के लोगों से संवाद करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर हुई सुनवाई के बाद कांग्रेस ने मोहन यादव सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर इसे टाल रही है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी इसके आदेश जारी नहीं किए जा रहे हैं। सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले में जानकारी नहीं दे रही है।

कानून बन गया है तो लागू क्यों नहीं किया

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि ओबीसी को 2019 में कमलनाथ ने आरक्षण 27 प्रतिशत लागू किया था। भाजपा ने सरकार की चोरी की, ओबीसी के भविष्य की चोरी की, भाजपा सरकार ने प्रयास किया कैसे आरक्षण रुके, स्टे लगाकर भाजपा ओबीसी के साथ धोखा कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कानून बन गया है तो लागू क्यों नहीं किया गया। 4 जुलाई को कोर्ट ने पूछा तो वकीलों ने कहा हम 27 प्रतिशत आरक्षण के विरोध में है। आपके कंधे में बैठकर ओबीसी का गला घोट रहे है। अपनी अंतिम बूंद तक कांग्रेस ओबीसी के लिए लड़ेगी।

ओबीसी के छात्र खेतों में काम कर रहे

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा प्रदेश के अंदर ओबीसी के लिए शिवराज सिंह आरक्षण की लड़ाई नहीं लड़ पाए। मोहन यादव पीएम को पिछड़े वर्ग का बताते है। पिछड़ों को पिछड़ा कर रहे हैं। ओबीसी छात्र मेहनत करते लेकिन उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगा। तुषार मेहता सरकार की बात कर रहे, ये सरकार का मत था।

सरकार को तत्काल इस पर निर्णय लेना चाहिए। रिजल्ट होल्ड हो गए। ओबीसी के छात्र खेतों में काम कर रहे हैं। ये भविष्य सरकार ने ओबीसी का तय किया है।

जनगणना के अनुसार आरक्षण का प्रतिशत

राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की बात की है। जनगणना के अनुसार आरक्षण का प्रतिशत तय हो जाएगा। तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण 42 प्रतिशत बढ़ाने का रखा गया है। घर घर सर्वे में 57 प्रतिशत से ज्यादा निकले। केंद्र की सरकार ओबीसी वर्ग के आरक्षण को रोककर रखना चाह रही है। मंडल कमीशन ने 27 प्रतिशत आरक्षण की कई राज्यों में बात की थी। भाजपा भाषण देने वाली पार्टी है। ये नीति लागू करने वाली पार्टी नहीं है। सीएम हमेशा कोर्ट के पाले में डाल देते हैं। भाजपा को बहुमत

कॉलेजों की बागडोर संभाले वाले अतिथि विद्वान असहाय

भोपाल। मप्र के कॉलेजों में सालों से अपनी सेवाएं देने वाले अतिथि विद्वान असहाय हैं। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग एवं कॉलेजों का नया सत्र शुरू हो गया है जिसमें वही पूर्व से कार्य कर रहे अतिथि विद्वानों को उन्ही सेवा शर्तों में विधिवत कंटिन्यू कर दिया गया है। अतिथि विद्वान महासंघ ने सरकार से मांग की है कि दिहाड़ी मजदूरी एवं शोषणकारी अतिथि नाम से छुटकारा दिया जाए साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उस समय के उच्च शिक्षा मंत्री वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जो घोषणा ऐलान वादा किए थे कि इनको फिक्स वेतन एवं निकाला नहीं जाएगा स्थाई किया जाएगा उसका आदेश जारी करें।

प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में कार्यरत हजारों अतिथि विद्वानों में असंतोष का भाव एक बार फिर से गहरा गया है। उनमें इस बात को लेकर असंतोष है कि उच्च शिक्षा में वे वर्षों से नियमित विद्वानों की तरह सेवाएं दे रहे हैं लेकिन आज भी अतिथि कहलाते हैं। उनकी लंबित मांगों से संबंधित सरकार की घोषणाएं कागजों तक सीमित हैं। दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने आगामी सत्र 2025-26 में भी अतिथि विद्वानों की सेवा जारी रखने का आदेश जारी कर दिया है, लेकिन उनकी फिक्स मासिक वेतन, स्थायी नियुक्ति और समायोजन की मांगों पर कोई निर्णय नहीं हुआ। इसको लेकर मध्यप्रदेश अतिथि विद्वान महासंघ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और सरकार से वादों को निभाने की मांग की है।

सालों की सेवा के बाद भी अतिथि

आयुक्त कार्यालय के आदेश में सभी प्राचार्यों को अतिथि विद्वान नियमावली अनुसार कार्यरत अतिथि विद्वानों का डेटा 30 जून 2025 तक पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। अंतिम तिथि 10 जुलाई तय की गई है। साथ ही आईएफएमएस पोर्टल में रिक्त पदों को दर्शाने के निर्देश भी दिए गए हैं। मीडिया प्रभारी मप्र अतिथि विद्वान महासंघ डॉ. आशीष पाण्डेय का कहना है कि वर्षों से शिक्षा बांट रहा विद्वान अतिथि कैसे हो सकता है? राज्य सरकार को चाहिए कि अतिथि शब्द हटाकर फिक्स वेतन, स्थायित्व और समायोजन की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। अगर हरियाणा सरकार अतिथि विद्वानों के लिए ऐतिहासिक आदेश जारी कर सकती है, तो मप्र में भी ऐसा संभव है। महासंघ का कहना है कि अतिथि विद्वान नाम नहीं, एक संघर्ष की कहानी है। अतिथि नाम हटा कर एक ऐसा कैडर बनाया जाए जहां अनुभव, योग्यता और सेवा अवधि के आधार पर स्थायी नियुक्ति दी जाए। 25 वर्षों से सेवा कर रहे प्राध्यापक और नए चयनितों को एक जैसे अस्थायी दर्जे में रखना अन्यायपूर्ण है। महासंघ की प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. नीमा सिंह व उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्यश्री दास का कहना है कि हम वर्षों से स्थायित्व की प्रतीक्षा कर रहे थे। हर साल अस्थायी आदेश से उम्मीदें टूटती हैं। फिर से अतिथि व्यवस्था ही लागू कर दी गई, यह निराशाजनक है।

छात्रवृत्ति घोटाले में खुद को बचाने में जुटे अधिकारी

भोपाल। मप्र के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सामने आया छात्रवृत्ति घोटाला अब गंभीर सवालों के घेरे में है। यह घोटाला केंद्र सरकार की ओर से उजागर हुआ है, जिसने विभाग को मामले की जांच कर कार्रवाई करने को कहा था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि विभागीय अधिकारियों ने इस पूरे घोटाले को जालसाजी का मामला बताकर भोपाल क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज कराई है, जिससे संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं यह कदम खुद को बचाने की कोशिश तो नहीं? केंद्र सरकार ने 11वीं और 12वीं के छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजना में अनियमितता पाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक कई ऐसे मदरसों और स्कूलों को छात्रवृत्ति दी गई, जिनकी मान्यता केवल 10वीं कक्षा तक थी। बावजूद इसके इन संस्थानों में 11वीं और 12वीं के नाम पर 1100 से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति जारी की गई। कुल राशि करीब 57 लाख 78 हजार रुपये है। भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को सालाना 5700 की राशि दी जाती है। यह योजना पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के तहत आती है। इस योजना के तहत छात्रों की पात्रता और संस्थानों की मान्यता को लेकर अनदेखी कर अपात्र छात्रों को लाभ दिया गया। भोपाल जिले में ही केंद्र सरकार ने 1000 से ज्यादा अपात्र छात्रों की सूची जारी की है, जबकि विभाग ने क्राइम ब्रांच को 972 छात्रों की जानकारी दी।

राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों- कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है।

अब खुलेगा राजनीतिक नियुक्तियों का पिटारा

निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में होगी नियुक्ति

भोपाल। मप्र में भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने के बाद अब निगम-मंडल, बोर्ड, आयोग और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। अब इन पदों को भरने की तैयारी जल्द शुरू हो सकती हैं। पिछले कुछ महीनों से ये पद खाली हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले 45 निगम-मंडलों और बोर्डों में की गई पिछली नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। इसके बाद से इन संस्थाओं में किसी की भी नियुक्ति नहीं हुई थी। इन पदों पर नियुक्तियों से न सिर्फ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी, बल्कि सरकार को भी प्रशासनिक स्तर पर लाभ होगा।

प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव के बाद अब कई नेता भोपाल में सक्रिय हो गए हैं। खास तौर पर वे नेता, जो विधानसभा या लोकसभा चुनाव में टिकट से वंचित रह गए थे या जो हाल ही में कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिल हुए हैं, खुद को इन पदों के लिए उचित दावेदार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। साथ ही संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। निगम मंडलों में नियुक्तियों को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई नाम चर्चा में बने हुए है। जिनमें भाजपा के नए विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, साल 2023 में विधानसभा चुनाव हारे कद्दावर नेता और मंत्री, लोकसभा में जिन्हें सांसद का टिकट नहीं दिया गया, या फिर जिनका टिकट काट दिया गया ऐसे नेताओं को निगम मंडलों में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस से भाजपा में आए कद्दावर नेताओं को भी मंडलों में शामिल किया जा सकता है।

क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन पर फोकस

ऐसा माना जा रहा है कि सरकार इन नियुक्तियों में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाने पर ध्यान देगी, ताकि सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिल सके। इससे आगामी नगर निकाय और पंचायत चुनावों में लाभ मिल सके। सूत्रों की मानें तो राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर जल्द ही सरकार और संगठन में विचार-विमर्श शुरू हो सकता है। लोकसभा चुनाव के बाद सरकार ने कुछ नियुक्तियां भी की पर अधिकांश प्रमुख निगम मंडल और बोर्ड अब भी खाली है। चुनाव के बाद राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संगठन नेताओं के साथ बैठक भी हुई पर इसी बीच भाजपा के केन्द्रीय संगठन ने संगठनात्मक चुनाव की तैयारी शुरू की कर दी और इसका पहला चरण सदस्यता अभियान के साथ शुरू हुआ। सदस्यता अभियान पूरा होते ही संगठनात्मक चुनाव का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में करीब छह महीने से अधिक का समय बीत गया। फिर नए प्रदेशाध्यक्ष को लेकर शुरू होने वाली निर्वाचन प्रक्रिया भी किसी न किसी कारण से टलती रही। अब प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन हो चुका है। नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एक-दो दिनों में दिल्ली जाने वाले हैं। जहां वे केन्द्रीय नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। यहां वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद इस मामले में कोई फैसला हो सकता है।

दावेदारों की बढ़ेगी सक्रियता

निगम, मंडल, बोर्ड और प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनने के लिए भाजपा के दावेदार नेताओं की अब सक्रियता बढ़ेगी। दरअसल, पार्टी कार्यकर्ताओं को उपकृत करने के लिए निगम मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियां की जाती है। नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन न होने के कारण यह नियुक्तियां टलती गईं। अब हेमंत खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं। ऐसे में निगम-मंडलों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष की नियुक्तियां भी जल्द शुरू की जाएंगी। वर्ष 2020 में विष्णुदत्त शर्मा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद मध्य प्रदेश भाजपा में सात मोर्चा और विभिन्न प्रकोष्ठों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी बनाई गई थी। इनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। अब भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मप्र में पार्टी संगठन को नया स्वरूप देंगे। वह नए सिरे से मोर्चा व प्रकोष्ठों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की नियुक्तियां कर जिम्मेदारी देंगे।

डेढ़ साल से खाली पड़े हैं पद

प्रदेश में पिछले डेढ़ साल से खाली पड़े निगम मंडल, बोर्ड और प्राधिकरणों में अब नियुक्तियों को लेकर फिर कयास लगाए जाने लगे हैं। नए अध्यक्ष की ताजपोशी होते ही दावेदारों ने अपने अपने राजनीतिक समीकरण बैठाने शुरू कर दिए हैं। दरअसल दावेदारों को संगठन की ओर से पूर्व में यह संकेत दिए गए थे कि संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया निपटने के बाद निगम, मंडल समेत संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियों पर विचार किया जाएगा। संगठन सूत्रों की माने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेश लौटने के एक दो दिन बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बाद राजनीतिक नियुक्तियों पर विचार हो सकता है। इन नियुक्तियों से सरकार को प्रशासनिक मजबूती और संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रियता मिलने की उम्मीद है। प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव के बाद अब कई नेता भोपाल में सक्रिय हो गए हैं। खास तौर पर वे नेता, जो विधानसभा या लोकसभा चुनाव में टिकट से वंचित रह गए थे या जो हाल ही में कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिल हुए हैं, खुद को इन पदों के लिए उचित दावेदार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। साथ ही संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। करीब छह महीने पूर्व राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सीएम हाऊस में संगठन नेताओं की बैठक हो चुकी है। इसमें तय किया गया था कि नियुक्तियों के लिए जिलों की कोर कमेटी से भी नाम मांगे जाएंगे। माना जा रहा है कि अब जल्द ही यह प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा हेमंत खंडेलवाल को भी अपनी नई टीम चुननी है। इसमें भी उन नेताओं को एडजस्ट किया जाएगा जिन्हें अच्छे काम के बाद भी बेहतर अवसर नहीं मिल रहे हैं।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन । केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के लिए फाइलर ने 2/30 का शानदार स्पेल किया और अंतिम ओवरों में बेल ने अहम विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मैच उनके हाथ में था, लेकिन ओस के असर और रणनीति में कमी से टीम चूक गई। उन्होंने गेंदबाजों और फील्डर्स की तारीफ की और माना कि विपक्ष की अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। इंग्लैंड की पारी में डंकले ने सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि व्याट-हॉज ने सात चौके और तीन छक्के जड़े। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी कर इंग्लैंड को संभलने नहीं दिया। अब भारत की नजर मैनचेस्टर में बुधवार को होने वाले चौथे मुकाबले पर होगी, जहां जीत हासिल कर वह ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा 2026 तक स्थगित, बीसीसीआई और बीसीबी का साझा निर्णय

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा अब 2026 तक टल गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार, 5 जुलाई की शाम को इसकी आधिकारिक घोषणा की है। यह दौरा अगस्त 2025 में होना था, जिसमें भारत को बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेलने थे। बीसीसीआई द्वारा जारी बयान में बताया गया कि, दोनों बोर्डों ने यह निर्णय आपसी सहमति और गहन चर्चा के बाद लिया है। दोनों टीमों के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल को देखते हुए दौरे को स्थगित करने का फैसला किया गया।

17 से 31 अगस्त के बीच होनी थी सीरीज

यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 17 से 31 अगस्त 2025 के बीच आयोजित की जानी थी। अब यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक टाल दी गई है। हालांकि, नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (क्ष्ट्क्र) ने भी इस फैसले को सही ठहराया है और कहा है कि वह 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर पूरी तरह उत्साहित है और दोनों टीमों के बीच होने वाली यह सीरीज भविष्य में रोमांचक मुकाबले लेकर आएगी।

दोनों बोर्डों के शेड्यूल में टकराव

बीसीसीआई और बीसीबी दोनों ही बोर्ड अपने-अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। 2025 की दूसरी छमाही में चैंपियंस ट्रॉफी, आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप, और अन्य द्विपक्षीय सीरीज पहले से निर्धारित हैं, जिससे कार्यक्रम में समन्वय कर पाना मुश्किल हो रहा था।

बांग्लादेश और भारत के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा

पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट मुकाबले काफी प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक रहे हैं। वनडे और टी20 फॉर्मेट में बांग्लादेश की टीम ने भारत को कड़ी टक्कर दी है, जिससे यह श्रृंखला क्रिकेट प्रशंसकों के लिए विशेष महत्व रखती है।

फिलहाल दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हैं कि उचित समय पर सीरीज की नई तारीखें साझा की जाएंगी। प्रशंसकों को अब 2026 में इस रोमांचक मुकाबले का इंतजार रहेगा।

डी. गुकेश का कमाल, 19 साल की उम्र में रैपिड खिताब जीतकर रचा इतिहास

ज़ाग्रेब। क्रोएशिया के शहर ज़ाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारत के 19 वर्षीय विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड खिताब जीत लिया। ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा रहे इस टूर्नामेंट में गुकेश ने रैपिड प्रारूप में 18 में से 14 अंक हासिल किए। उनकी जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब विश्व स्तर पर एक बेहद मजबूत और खतरनाक खिलाड़ी बन चुके हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत गुकेश के लिए आसान नहीं रही। पहले ही राउंड में उन्हें पोलैंड के जान-क्ज़ीश्टॉफ़ डूडा से हार झेलनी पड़ी। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए। इनमें सबसे अहम जीत विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में आई। इस जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की बढ़त दिलाई और बाकी खिलाड़ियों पर दबाव बना दिया। फाइनल राउंड में गुकेश ने अमेरिका के अनुभवी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर खिताब पर निर्णायक मुहर लगा दी। इस मुकाबले में उन्होंने विरोधी की एक मामूली गलती को बेहद कुशलता से भुनाया। उनका रैपिड रिकॉर्ड 6 जीत, 2 ड्रॉ और 1 हार रहा, जो उनकी लगातार स्थिरता और रणनीतिक गहराई का प्रमाण है। तीसरे दिन के खेल में भी गुकेश ने अपना संयम और तैयारी दिखाई।

ब्रूक की चुनौती और भारत की बड़ी बढ़त

बर्मिंघम। एजबेस्टन टेस्ट के चौथे दिन मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, जहां इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारत को खुलेआम चुनौती दे डाली है। ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम किसी भी लक्ष्य का पीछा करने के लिए तैयार है, चाहे भारत जितना भी बड़ा स्कोर खड़ा कर दे। उनके इस बयान ने मैच में हलचल मचा दी है और इंग्लैंड की आक्रामक बाज़बॉल रणनीति को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

ब्रूक का आत्मविश्वास तीसरे दिन की उस साझेदारी से आया जिसमें उन्होंने डेब्यू करने वाले जेमी स्मिथ के साथ मिलकर 303 रन जोड़े। इस साझेदारी ने शुरुआती 84/5 के संकट से इंग्लैंड को निकाला और लड़ने का मौका दिया। ब्रूक ने शानदार 158 रन बनाए जबकि स्मिथ ने 104 रन की पारी खेली। इसके बावजूद इंग्लैंड पहली पारी में भारत के 587 के जवाब में 407 रन पर ढेर हो गया। भारतीय तेज़ गेंदबाज मोहम्मद सिराज (6/70) और आकाश दीप (4/83) ने इंग्लैंड को फिर से बैकफुट पर धकेल दिया।

मैच के बाद मीडिया से बातचीत में ब्रूक ने कहा कि इंग्लैंड किसी भी टारगेट को चेज करने की कोशिश करेगा। उन्होंने माना कि अगर वे खुद आउट नहीं होते तो इंग्लैंड की स्थिति और बेहतर होती। उन्होंने सिराज और आकाश दीप की तारीफ करते हुए कहा कि दोनों ने शानदार गेंदबाजी की और हर तरह से स्टंप्स पर हमला किया। उनका यह बयान इंग्लैंड की उस सोच को साफ दर्शाता है जिसमें वे ड्रॉ के लिए नहीं खेलते बल्कि जीत के लिए जोखिम लेने को तैयार रहते हैं।

चौथे दिन के पहले सत्र तक भारत ने इंग्लैंड पर दबाव और बढ़ा दिया है। लंच तक भारत ने अपनी बढ़त 357 रन तक पहुंचा ली थी। हालांकि करुण नायर और केएल राहुल के विकेट गिरे, लेकिन रनगति पर असर नहीं पड़ा। ऋषभ पंत ने आते ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को हिला दिया। अगर भारत चाय तक बल्लेबाजी जारी रखता है, तो उसकी बढ़त 500 के आसपास पहुंच सकती है। वहीं से इंग्लैंड की बाज़बॉल रणनीति की असली परीक्षा शुरू होगी देखना होगा कि ब्रूक का आत्मविश्वास जमीनी हकीकत में बदलता है या भारत का विशाल स्कोर इंग्लैंड की हिम्मत तोड़ देता है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन : ऑर्टन और रोड्स की धमाकेदार वापसी शो में ब्लडलाइन का नया और आक्रामक रूप देख दर्शक हुए रोमांचित

नई दिल्ली। पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग स्थित पीपीजी पेंट्स एरिना में शुक्रवार को हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का एपिसोड धमाकेदार रहा। इस शो में डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर रैंडी ऑर्टन की जोरदान वापसी हुई, वहीं टैग टीम मुकाबलों ने दर्शकों ने खूब आनंद उठाया। शो का मुख्य आकर्षण द ब्लडलाइन का नया और आक्रामक रूप रहा, जिसने अपने दुश्मनों पर पूरी तरह से दबदबा बनाया।

शो की शुरुआत में सबसे बड़ी घोषणा हुई कि कोडी रोड्स और जॉन सीना समर सलेम में डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप में आमने-सामने होंगे। रोड्स ने इसकी पुष्टि की, जिसके तुरंत बाद रैंडी ऑर्टन ने वापसी करते हुए सीना को हराने का वादा किया। तभी ड्रू मैकइंटायर ने अपनी वापसी की और रोड्स और ऑर्टन दोनों को निशाना बनाया। मैकइंटायर के तीखे बयानों का जवाब ऑर्टन ने उन्हें आरकेओ देकर दिया, जिससे दर्शक झूम उठे।

ट्रिपल थ्रेट टैग टीम मैच में शार्लेट फ्लेयर और एलेक्सा ब्लिस ने सीक्रेट हर्विस और बी-फैब व मिचीन को हराकर इवोलेशन में होने वाले डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस टैग टीम टाइटल के फेटल 4-वे मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

इस मैच में ब्लिस और फ्लेयर के बीच तालमेल की कमी रही, लेकिन ब्लिस ने चतुराई से अपनी टीम को जीत दिलाई। द वायट सिक्स ने भी 8 मैन टैग टीम मैच में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने मोंटेज फोर्ड, क्रिस सबिन, बर्टो और जॉनी गार्गानो की टीम को आसानी से हरा दिया। मैच में गार्गानो का क्रिस सबिन से टैग लेने से इनकार करना वायट सिक्स के लिए फायदेमंद साबित हुआ और एरिक रोवन ने गार्गानो को आयरन क्लॉ स्लैम देकर जीत हासिल की। टिफनी स्ट्रैटन ने रिंग में आकर ट्रिश स्ट्रैटस को डब्ल्यूडब्ल्यूई इवोलुशन में विमेंस टाइटल मैच के लिए चुनौती दी, जिसे डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर स्ट्रैटस ने स्वीकार कर ली। यह मुकाबला निश्चित रूप से आगामी पीपीवी का एक मुख्य आकर्षण होगा। वहीं, एंड्राडे एल इडोलो और रे फेनिक्स की नई टैग टीम ने नाथन फ्रेजर और एक्सिओम को हराकर दूसरी जीत दर्ज हासिल की, जिससे उनकी बढ़ती हुई केमिस्ट्री साफ दिखाई दी। स्मैकडाउन का मेन इवेंट द ब्लडलाइन के अंदर के टकराव को उजागर कर रहा था। जेकब फातू और जिमी उसो का मुकाबला सोलो सिकोआ और जे सी मेटो से हुआ। एक कड़े मुकाबले के बाद फातू और उसो की टीम विजयी रही। हालांकि, मैच के बाद का घटनाक्रम ज्यादा चौंकाने वाला था। ताला टोंगा और टोंगा लोआ ने फातू पर हमला कर दिया और पूरी ब्लडलाइन ने मिलकर फातू को एक टेबल पर पटक दिया। इस आक्रामक प्रदर्शन के साथ ही शो खत्म हुआ, जिससे द ब्लडलाइन के नए और खतरनाक इरादे साफ नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज एक-एक दिन में सिमटी दोनों टीमें, दूसरे दिन गिरे 12 विकेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सेंट जॉर्जेस स्टेडियम ग्रेनेडा में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। कंगारू टीम के पास 45 रन की लीड है। पहले दिन ऑस्?ट्रेलिया पहली पारी में 286 रन पर सिमट गई थी।

दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज की पहली पारी के साथ हुई। ब्रैंडन किंग के अर्धशतक की बदौलत वेस्टइंडीज टीम ने पहली पारी में 253 रन बनाए। जॉन कैम्पबेल अर्धशतक के करीब पहुंचकर कैच आउट हो गए। उन्होंने 52 गेंदों पर 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में टीम को पहला झटका लगा। जोश हेजलवुड ने क्रैग ब्रैथवेट को कॉट एंड बोल्ड कर दिया। क्रैग ब्रैथवेट ने 8 गेंदों का सामना किया और खाता भी नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए। कीसी कार्टी ने 6, कप्तान रोस्टन चेज ने 16, शाई होप ने 21, जस्टिन ग्रीव्स ने 1, अल्जारी जोसेफ ने 27 और एंडरसन फिलिप ने 10 रन बनाए। जेडन सील्स 7 रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने तीन विकेट झटके। उनके अलावा कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट लिए। मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और ट्रेविस हेड को 1-1 विकेट मिला। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की बढ़त मिली। हालांकि, दूसरी पारी में कंगारुओं की शुरुआत खराब रही। 4 रन में ही टीम के 2 विकेट खो दिए। पहले ही ओवर में जेडेन सील्स ने सैम कोनस्टास को बोल्ड किया। सैम कोनस्टास दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाए। तीसरे ओवर में उस्मान ख्वाजा (2) को सील्ड ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 और नाथन लियोन 2 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं।

चेल्सी और फ्लूमिनेंसे सेमीफाइनल में होगें आमने-सामने

फिलाडेल्फिया (ईएमएस)। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में खेले गए फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में चेल्सी ने ब्राजील की टीम पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में निर्णायक क्षण 83वें मिनट में आया जब पाल्मेरास के डिफेंडर अगस्टिन जियाय ने आत्मघाती गोल कर दिया। इससे पहले चेल्सी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई।

हालांकि, ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की। युवा स्टार एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। लेकिन अंत में जियाय की चूक ने चेल्सी को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया। मैच के बाद चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, 卐जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि हम पहले हाफ में बेहतर थे और हमने खेल को अच्छे से कंट्रोल किया। खिलाड़ी जीत के हकदार थे और मैं उनके प्रदर्शन से खुश हूं। यह हमारे लिए शानदार रात रही।卐 चेल्सी अब न्यूयॉर्क में सेमीफाइनल में ब्राजील की ही एक और टीम फ्लूमिनेंसे से भिड़ेगी।

फ्लूमिनेंसे ने भी अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल हिलाल को 2-1 से हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया। इस मैच में मैथियस मार्टिनेली ने 40वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। अल हिलाल ने 51वें मिनट में मार्कस लियोनार्डो के गोल से बराबरी की, लेकिन 70वें मिनट में हर्क्यूलिस के गोल ने फ्लूमिनेंसे को जीत दिला दी। टूर्नामेंट में कमजोर मानी जा रही फ्लूमिनेंसे की टीम ने सभी को चौंकाते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की की है और अब 9 जुलाई को उसका मुकाबला चेल्सी से होगा।

कनाडा ओपन : श्रीकांत सेमीफाइनल में, श्रेयांशी बाहर

कैलगरी। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेमों में 21-18, 21-9 से हराया। वर्ल्ड नंबर-49 श्रीकांत अब फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत को निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त हासिल है। पिछली विश्व चैंपियनशिप में भी उन्होंने जापानी खिलाड़ी को सीधे गेमों में हराया था। हालांकि, निशिमोटो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका कोर्ट कवरेज शानदार माना जाता है। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से हराकर

सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इससे पहले श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-19, 21-14 से हराया था। यह मुकाबला 41 मिनट चला था। पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता श्रीकांत मई में मलेशिया मास्टर्स के भी फाइनल में पहुंचे थे और इस साल अच्छे फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

विमेंस सिंगल्स- श्रेयांशी का सफर खत्म

विमेंस सिंगल्स में भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वलीशेट्टी को डेनमार्क की 24 वर्षीय अमाली शुल्ज के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-12, 19-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रेयांशी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया था, लेकिन अगले दोनों गेम में बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहीं। निर्णायक गेम में उन्होंने 9-17 के अंतर को कम कर 19-21 तक पहुंचाया, मगर मामूली अंतर से हार गईं। इसी के साथ उनका नॉर्थ अमेरिका टूर समाप्त हो गया।

6 विकेट सिराज की मेहनत का इनाम हैं - सचिन

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाज़ी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, 卐सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश!卐 सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रूक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी।

मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रुक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाज़ी की और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी।

दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुवाई में गेंदबाज फिर से कमाल दिखाएंगे और टीम को जीत दिलाएंगे।

नूपुर फाइनल में, अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया।

इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-

अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया।

भारत का इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन रहा है। सेमीफाइनल में भारत के कुल 10 मुक्केबाज़ पहुंचे हैं और नूपुर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी हैं। इससे पहले गुरुवार को हितेश गुलिया और साक्षी ने भी अपने-अपने वर्ग में सेमीफाइनल में प्रवेश कर पोडियम फिनिश पक्का किया था। हितेश ने पुरुषों के 70 किलोग्राम क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव को 5-0 से हराया, जबकि साक्षी ने महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में ब्राजील की तातियाना रेजिना डी जीसस चागास को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

भारत ने इस साल के शुरुआत में ब्राजील में आयोजित विश्व मुक्केबाज़ी कप के पहले चरण में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य समेत कुल छह पदक जीते थे। उस चरण में उजबेकिस्तान ने आठ पदकों (पांच स्वर्ण) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि मेजबान ब्राजील ने नौ पदक जीते थे। कजाकिस्तान ने तीन स्वर्ण और तीन कांस्य सहित छह पदक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया था। इस साल नवंबर में नई दिल्ली में होने वाले फाइनल चरण को ध्यान में रखते हुए, अस्ताना चरण भारतीय मुक्केबाज़ों के लिए तैयारी का अहम पड़ाव साबित हो रहा है।

काशी में मणिकर्णिका घाट डूबा, छत पर अंतिम संस्कार; हिमाचल में अब तक 69 मौतें, मप्र के 20 शहरों में भारी बारिश...कई जिलों में बाढ़ के पानी से घिरे गांव

नदियां उफान पर...बांधों के गेट खुले

-मंडला, शिवपुरी के गांवों में बाढ़, सड़क पर कारें डूबीं; शहडोल में दीवार गिरने से दंपती की मौत

पुलिया पर बाइक सहित बहा व्यक्ति, लोगों ने बचाया- सागर-बेगमगंज संपर्क टूटा; रायसेन में पहाड़ी पर दिखा नैनीताल जैसा नजारा, बादल नीचे उतरे

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। मप्र के 20 शहरों में भारी बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मंडला में बाढ़ की स्थिति है। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच पानी गिरा है। यूपी में काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट के ज्यादातर शवदाह वाले प्लेटफार्म गंगा नदी में डूब गए हैं। शवों का अंतिम संस्कार घाट की छत पर करना पड़ रहा है। आसपास के छोटे मंदिर भी जलमग्न हो चुके हैं। राजस्थान में 1 जून से अब तक 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, लगातार मानसून एक्टिव होने से अब एक भी जिला सूखा नहीं है। जबकि पिछली जुलाई के पहले हफ्ते तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे।

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश तबाही मचा रही है। उफनती नदियों से 14 पुल बह गए हैं। प्रदेश की 500 सडकें पूरी तरह से बंद हैं। कांगड़ा, मंडी, चंबा और शिमला जिलों में भारी बारिश के चलते बाढ़ और लैंडस्लाइड से 69 लोगों की जान चली गई। सबसे बुरी स्थिति मंडी जिले में है, जहां 17 लोग मारे गए और 40 अभी भी लापता हैं। उत्तरप्रदेश में भी तेज बारिश जारी है। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में आधा से ज्यादा डूब गया। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा चौकियां डूब गईं। यहां गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है।

कोरबा में पुल बहा

छत्तीसगढ़ के कोरबा में 20 साल पुराना पुल और सड़क तेज बारिश में बह गया। गेरांव के बांस झर्रा में पुल बहने से बड़मार क्षेत्र का संपर्क कई गांव से कट गया है। मार्ग पर आना जाना बंद है। यहां तेज बारिश जारी है।

घुंघुट्टा डैम के दो गेट खोले गए

छत्तीसगढ़ के सुरगुजा जिले में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण

नदियों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए घुंघुट्टा डैम के दो गेट खोल दिए गए हैं। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों से नदी-नालों के पास न जाने की अपील की है। सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

धमणी डेम के तीन गेट खोले गए

महाराष्ट्र के पालघर जिले में लगातार भारी बारिश के कारण पालघर के डेमों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। सूर्य प्रोजेक्ट का हिस्सा धमणी डेम, जो पालघर, मीरा-भायंदर और वसई-विरार को पानी सप्लाई करता है, उसमें पानी का बहाव बढ़ गया है। डेम के तीन गेट 40 सेंटीमीटर तक खोल दिए गए हैं, जिससे सूर्य नदी में 3,285 क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया है।

जोहिला डैम के दो गेट खोले गए

उमरिया में शनिवार को संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट खोले गए हैं। दोनों गेट को एक-एक मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। सागर से बेगमगंज और ग्यारसपुर जाने वाला मार्ग नदियों में बाढ़ के कारण बंद हो गया। नरसिंहपुर में शनिवार सुबह स्टेट हाईवे-22 पर पुलिया धंस गई, जिससे रास्ता बंद हो गया। लोग रस्सी के सहारे शक्कर नदी पार कर रहे हैं। वहीं, डिंडौरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर खेत की मिट्टी बहकर आ गई। यहां वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। शिवपुरी में बैराड के कई गांवों में बाढ़ आ गई है। घरों में पानी भर गया है। जोराई गांव में सडक पर खड़ी गाडियां पानी में डूब गई हैं। श्योपुर जिले के बेनीपुरा गांव में क्वारी नदी का पानी गांवों में घुस गया है। यहां करीब 20 घरों में पानी भर गया, जिससे गृहस्थी का सामान खराब हो गया। ग्रामीणों को काफी नुकसान हुआ है। शहडोल के केशवाही के मझौली क्षेत्र में तेज बारिश से मकान की कच्ची दीवार गिर गई। हादसे में बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 4 बजे की है।

बरमान घाट पर नर्मदा का जलस्तर बढ़ा

नरसिंहपुर में बरमान घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। प्रशासन ने यहां किनारे पर बसे लोगों को घर खाली करने के लिए कहां। रायसेन जिले के बेगमगंज और सुल्तानगंज में लगातार हो रही तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर है। शनिवार को पारसोरा रोड की पुलिया पार करते समय तेज बहाव में बाइक सवार बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने उसके सुरक्षित बचा लिया। बाइक भी बाहर निकाली।

पार्वती नदी का कहर,रपटे में बाइक बही,

शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील में शुक्रवार रात से हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। सडकों पर जलभराव से यातायात भी प्रभावित हो गया है। बैराड़ के जौराई गांव में तेज बारिश के चलते गलियों और सडकों पर पानी भर गया। हालात इतने बिगड़ गए कि कई वाहन पानी में डूब गए। नदी का पानी घरों और खेतों में भी घुस गया, जिससे गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए। यहां तीन साल पहले भी इसी तरह की बाढ़ आई थी, जब आर्मी ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया था। बारिश के दौरान ऐंसवाया गांव के हनुमान मंदिर पर आकाशीय बिजली गिर गई। मंदिर का शिखर कई जगह से टूट गया और उस पर लगा कलश जलकर खाक हो गया। छत में भी बड़ा छेद हो गया है।

मंडला में पुल छूकर बह रही नर्मदा

मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में बाढ़ के हालात हैं। मंडला में नर्मदा नदी उफान पर है। पुल छूकर पानी बह रहा है। सागर से बेगमगंज और ग्यारसपुर जाने वाला मार्ग नदियों में बाढ़ के कारण बंद हो गया। उमरिया में जोहिला नदी पर बने डैम के दो गेट खोले गए हैं। निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। नरसिंहपुर में शनिवार सुबह स्टेट हाईवे-22 पर पुलिया धंस गई, जिससे रास्ता बंद हो गया। लोग रस्सी के सहारे शक्कर नदी पार कर रहे हैं। वहीं, डिंडौरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर खेत की मिट्टी बहकर आ गई। यहां वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं। शिवपुरी में बैराड के कई गांवों में बाढ़ आ गई है। घरों में पानी भर गया है। जोराई गांव में सडक़ पर खड़ी गाडियां पानी में डूब गई हैं। श्योपुर जिले के बेनीपुरा गांव में क्वारी नदी का पानी गांवों में घुस गया है। यहां करीब 20 घरों में पानी भर गया, जिससे गृहस्थी का सामान खराब हो गया। ग्रामीणों को काफी नुकसान हुआ है। रायसेन जिले के बेगमगंज क्षेत्र में पुलिया से निकलकर जा रहा व्यक्ति बाइक सहित बह गया। उसे दो लोगों ने पकडक़र बचाया। रायसेन की पहाड़ी पर नैनीताल की तरह नजारा देखने को मिला, बादल नीचे ही उतर आए। यह मनमोहक दृश्य देखने में काफी अच्छा लगा। जिले में रात भर से लगातार बारिश जारी है। बेगमगंज और सुल्तानगंज में नदी-नाले उफान पर हैं। शनिवार को एक युवक पारसोरा रोड की पुलिया पार करने का प्रयास कर रहा था। पानी के तेज बहाव में वह बाइक सहित बहने लगा। मौके पर मौजूद दो लोगों ने उसे सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने मोटरसाइकिल को भी बाहर निकाला।

सागर-बेगमगंज संपर्क टूटा

भारी बारिश के कारण सागर से बेगमगंज का सडक़ संपर्क टूट गया है। शहर से कई गांवों का रास्ता भी बंद हो गया है। देवरी और गैरतगंज में भी बारिश जारी है। रायसेन जिला मुख्यालय पर सुबह से कभी तेज तो कभी धीमी बारिश हो रही है। किले की पहाड़ी पर बादल उतर आने से काफी मनमोहक नजारा देखने को मिल रहा है। लोग बारिश से बचने के लिए छाते और रेनकोट का सहारा ले रहे है। मौसम विभाग ने आज और कल भारी बारिश की चेतावनी दी है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं लंबित और यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट नियम 2025 हुआ नोटिफाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं लंबित हैं। इसके बावजूद मोदी सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट नियम 2025 को नोटिफाई कर दिया है। ये नियम वक्फ संपत्तियों के पोर्टल और डेटाबेस से संबंधित हैं। उधर सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। नए नियमों के अनुसार, सभी राज्यों की वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल और डेटाबेस तैयार किया जाएगा। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में वक्फ विभाग के प्रभारी संयुक्त सचिव इसकी निगरानी करने वाले है।

नए नियमों के अनुसार, वक्फ संपत्तियों की निगरानी के लिए एक पोर्टल बनेगा। इस पोर्टल को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का एक संयुक्त सचिव देखेगा। पोर्टल हर वक्फ और उसकी संपत्ति को एक खास नंबर देगा। सभी राज्यों को एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाना होगा। उन्हें केंद्र सरकार के साथ मिलकर एक सपोर्ट यूनिट बनानी होगी। इससे वक्फ और उसकी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन, हिसाब-किताब, ऑडिट और अन्य काम आसानी से हो सकते है।

ये नियम 1995 के अधिनियम की धारा 108बी के तहत बनाए गए हैं। यह धारा वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के अनुसार जोड़ी गई थी। अधिनियम 8 अप्रैल, 2025 से लागू हो गया है। नियमों में विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथों को गुजारा भत्ता देने के प्रावधान भी हैं।

नए नियमों के अनुसार मुतवल्ली को अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी से पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यह रजिस्ट्रेशन वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) से होगा। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद ही मुतवल्ली वक्फ को समर्पित अपनी संपत्ति का विवरण दे सकता है। बता दें कि मुतवल्ली का अर्थ होता है एक ऐसा व्यक्ति, जिसे वक्फ संपत्ति का मैनेजमेंट देखने के लिए नियुक्त हो।

नियमों के अनुसार, किसी संपत्ति को गलत तरीके से वक्फ घोषित करने की जांच जिला कलेक्टर से संदर्भ मिलने के एक साल के भीतर पूरी होनी चाहिए। मुतवल्ली को पोर्टल पर रजिस्टर करना अनिवार्य है, मुतवल्ली को अपने मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का उपयोग करके ओटीपी के माध्यम से प्रमाणित करना होगा। इसके बाद ही वह वक्फ संपत्ति का विवरण दे सकता है।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, दो संदिग्ध मिले, तीन जिलों में अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है। कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें मरीजों के हिस्ट्री और लक्षणों पर नजर रखेंगी। साथ ही लोगों को इस बारे में जानकारी भी देंगी। अधिकारियों को मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में कुछ संदिग्ध मामले मिले हैं। ये मामले कोझिकोड और मलप्पुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में नियमित जांच के दौरान सामने आए।

केरल में निपाह वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। दो लोगों में इस बीमारी के लक्षण दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। शुक्रवार को केरल के तीन उत्तरी जिलों- कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ में अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक आपात बैठक की और निवारक उपायों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि सरकार इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। पुलिस से भी मदद मांगी गई है ताकि रोगियों के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा सके। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि वायरस कितने लोगों तक फैल चुका है। लोगों की मदद के लिए राज्य और स्थानीय हेल्पलाइन भी शुरू की जा रही हैं। इन हेल्पलाइन के जरिए लोग बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और मदद मांग सकते हैं।

भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में आधा दर्जन दिग्गज, इसमें 3 महिला, 3 पुरुष शामिल

नई दिल्ली। देश के प्रदेशों में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ती के बाद अब भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना है।दिलचस्प बात यह है कि इस बार चर्चा है कि पार्टी अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। हालांकि, अब तक दावेदारों में 6 नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। उनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। मौजूदा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब, भाजपा नए अध्यक्ष की नियुक्ति की तरफ आगे बढ़ रही है।

पुरुष दिग्गजों की बात करें तो ओडिशा से आने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भाजपा का कुशल रणनीतिकार माना जाता है। वे ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और पार्टी के आंतरिक हलकों में गहरी पैठ रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनावी मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है। मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब केंद्र में मंत्री हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में गिने जाते हैं। उनकी सहजता, सादगी और ग्रामीण भारत में पकड़ उन्हें पार्टी का एक जन-चेहरा बनाती है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर अब केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उनकी प्रशासनिक साख और संघ से निकटता उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त बनाती है। वे पार्टी के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष बल देता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगला अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही है। उनमें संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण। महिला नेतृत्व की संभावना इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि भाजपा ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पास कराया था। इसके अलावा, हालिया चुनावों में महिला वोटर्स ने भाजपा को निर्णायक समर्थन दिया है। एक महिला अध्यक्ष पार्टी को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा संदेश देने में मदद कर सकती है।

देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण न केवल भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व करती रही हैं। वे तमिलनाडु से आती हैं, जहां भाजपा अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और पार्टी नेतृत्व से करीबी उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनटी रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी हाल ही में आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख रही हैं। वे पार्टी के 卐ऑपरेशन सिंदूर卐 जैसे कूटनीतिक मिशन का हिस्सा भी रह चुकी हैं। उनकी बहुभाषीयता और राजनीतिक विरासत उन्हें एक प्रभावशाली दक्षिण भारतीय चेहरा बनाती है।कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वानाथी श्रीनिवासन भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं। 1993 से पार्टी से जुड़ी श्रीनिवासन को 2022 में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में जगह मिली थी। ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता बनीं। वे जमीनी कार्यकर्ता और संगठन की नब्ज समझने वाली नेता मानी जाती हैं।

रेवंत के बयान पर बीजेपी का तंज...'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान को आधार बनाकर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के बयान ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है।

भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा, सीएम रेड्डी ने आज फिर साबित किया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। 50 साल बाद भी रेड्डी का यह रवैया साबित करता हैं कि वे इंदिरा गांधी के सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने जय संविधान रैली में धमकी दी कि जो लोग इंदिरा गांधी को नहीं समझते, उन्हें वे बुरी तरह से पीटूंगा। 50 साल पहले इंदिरा ने भी हमारे लोकतंत्र के साथ ऐसा ही करने की कोशिश की थी। आज भी कांग्रेस में वहीं आपातकाल की मानसिकता में जी रही है।

उन्होंने कहा, चाहे तेलंगाना हो, कर्नाटक हो या हिमाचल प्रदेश, जहां मंत्री भी अफसरों को पीटते हैं और यह कांग्रेस पार्टी की आपातकाल वाली मानसिकता को दिखाता है। यह सब कुछ इसलिए हो रहा हैं

ताकि सच्चाई को दबाकर लोगों को डराया जाए। तेलंगाना में कथित तौर पर 40 लोगों की हत्या राज्य प्रायोजित तरीके से हुई है। वहां जवाबदेही के बजाय, पत्रकारों को धमकाया जा रहा है, जैसा कि रेवंत रेड्डी पहले भी कर चुके हैं। उन्होंने जंगल की जमीन के लिए प्रदर्शन करने वाले लोगों को धमकाया है। यह दिखाता है कि कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी पूरी तरह जीवित है। दरअसल सीएम रेड्डी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, इंदिरा द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी और विकास योजनाएं गरीबों के जीवन को रोशन कर रही हैं और यही कारण है कि हम अपनी कल्याणकारी योजनाओं का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रख रहे हैं। हैदराबाद में गरीबों को 5 रुपए में भोजन और यहां तक ??कि उन्हें नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार ने कैंटीन का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखा है। इन मूर्ख लोगों ने इंदिरा गांधी के नाम पर कैंटीन का नाम रखे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। जब तक उन्हें बुरी तरह से पीटा नहीं जाएगा, तब तक वे इंदिरा गांधी की महानता को नहीं समझ पाएंगे।

अमेरिका को दो टूक : भारत कभी दबाव में काम नहीं करता, राष्ट्रीय हित होगा तभी करेंगे डील

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा निर्धारित 9 जुलाई की समय सीमा को खारिज करते हुए कहा कि भारत व्यापार समझौतों पर कभी भी समय के दबाव में काम नहीं करता। गोयल ने कहा, भारत ने कभी भी किसी व्यापार समझौते या उसके किसी हिस्से पर समय की कोई बाध्यता या दबाव में चर्चा नहीं की है। हमें अपने राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि यह एक निष्पक्ष समझौता हो, जिससे हमें अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले सतत लाभ मिले। अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि भारत किसी भी डील में तभी शामिल होगा, जब उसके राष्ट्रीय हित पूरी तरह सुरक्षित होंगे और उसे प्रतिस्पर्धियों पर टैरिफ संबंधी बढ़त मिलेगी। मंत्री गोयल ने कहा कि सरकार किसी समयसीमा के दबाव में नहीं है और अमेरिका द्वारा 9 जुलाई की डेडलाइन तय करने का भारत पर कोई असर नहीं होगा।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 100 देशों पर जवाबी टैरिफ लगाए थे, जिनमें भारत पर भी 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया था। इसके बाद अमेरिका ने 90 दिनों के लिए इन टैरिफ पर रोक लगाई थी, जो अब मंगलवार को समाप्त हो रही है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गहन बातचीत चल रही है। भारतीय व्यापार वार्ताकारों की एक टीम हाल ही में वाशिंगटन से आठ दिन की यात्रा के बाद लौटी है, जहां उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गहन चर्चा की। हालांकि, कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कुछ मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। गोयल ने साफ किया कि भारत अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का हित हमेशा मोदी सरकार के लिए सर्वोपरि है।

भारत चाहता है श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रियायतें

भारत की ओर से अमेरिका से मांग की जा रही है कि वह चमड़ा, जूते-चप्पल, वस्त्र और कुछ ऑटो पार्ट्स पर शुल्क में रियायत दे। इसके बदले भारत अमेरिकी ऑटोमोबाइल और व्हिस्की पर कुछ टैक्स में छूट देने पर विचार कर सकता है। भारत यह भी चाहता है कि भविष्य में अगर अमेरिका सेक्टोरल टैरिफ लगाए, तो भारत को उनसे छूट मिले। कुछ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका की मांगें अभी तक स्पष्ट नहीं हैं, वहीं भारत का फोकस पूरी तरह स्पष्ट है। भारत श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना और किसानों के हितों की रक्षा पर अड़ा है। गोयल ने दोहराया कि भारत को ऐसे व्यापारिक लाभ चाहिए जो चीन और वियतनाम जैसे देशों से बेहतर हों। अभी तक अमेरिका ने बहुत कम देशों- जैसे यूके, चीन और वियतनाम के साथ ही व्यापार समझौते किए हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा

सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक जांच रिपोर्ट का कोई सांविधानिक महत्व नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक (इन-हाउस) जांच रिपोर्ट का कोई सांविधानिक महत्व नहीं है, क्योंकि किसी भी जज के खिलाफ जांच केवल न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत ही हो सकती है। सिब्बल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी आरोप लगाया कि सरकार जस्टिस शेखर यादव को बचा रही है। उन्होंने राज्यसभा सचिवालय पर सवाल उठाया कि आखिर उनके हस्ताक्षर की पुष्टि के लिए उनसे संपर्क क्यों किया गया, जबकि यह मुद्दा विपक्षी सांसदों द्वारा पहले ही उठाया जा चुका है। सिब्बल ने कहा, अनुच्छेद 124 के तहत अगर राज्यसभा के 50 या लोकसभा के 100 सदस्य किसी जज के खिलाफ प्रस्ताव लाते हैं, तभी एक जांच समिति बनाई जाती है और यह प्रक्रिया सिर्फ संसद के जरिए होती है। उन्होंने बताया कि संसद इस अधिनियम के तहत कानून बनाकर ही जांच समिति का गठन कर सकती है और इसी के जरिए किसी जज के गलत व्यवहार या अयोग्यता पर फैसला होता है। संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में प्रस्ताव को दो-तिहाई बहुमत से पारित करना होता है।

100 एकड़ जमीन के पट्टे का लालच देकर बना दिया नक्सली समर्थक

हट्टा गोदरी से आए ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

परिजनों नें कहा दो दिन में नहीं छोड़ा तो कर लेंगे आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोदरी चौक के ठाकुरटोला निवासी नैनसिंह धुर्वे को एक पुलिस कर्मी द्वारा सौ एकड़ का पट्टा दिलाने का लालच देकर अपने साथ ले जाने और फिर युवक के विरुद्ध नक्सलियों का सहयोग करने के आरोप में अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किए जाने का एक मामला समाने आया है।इस मामले में शनिवार को परिजन जिला मुख्यालय पहुंचे युवक(कथित नक्सली समर्थक)नैनसिंह धुर्वे पर फर्जी तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाकर उसे छोड़े जाने की मांग की।अपनी इस मांग को लेकर युवक के परिजनों सहित अन्य ग्रामीणों ने एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन भी सौपा है।जिसमे उन्होंने नैनसिंह को निर्दोष बताते हुए दो दिन के अंदर युवक को छोड़ने की मांग की है।जहां मांग पूरी ना होने पर उन्होंने 2 दिन बाद एसपी कार्यालय के समक्ष पूरे परिवार के साथ आत्महत्या किए जाने की चेतावनी दी हैं।

बेटे को पहले से पहचनाता है, पुलिस कर्मी - दुरपता

युवक की मां दुरपता धुर्वे और भाई ने सयुंक्त रूप से बताया कि उसके दो बेटे है बड़ा बेटा नैनसिंह जिसकी शादी हो चुकी है और उसकी पत्नी कुंती धुर्वे के अलावा तीन बच्चे है। उसने बताया कि उसके बेटे को गोदरी का पुलिसकर्मी रिंकू राणा पहले से जानता है और रेत,गिट्टी,मिट्टी का आवश्यकता होने पर बेटे के बड़े पिता के पास ट्रैक्टर होने से उसी से मंगवाता है। गुरुवार की दोपहर करीब 3 बजे उक्त पुलिस कर्मी अपने साथ एक लड़के को लेकर आया और बेटे से कहने लगा कि मेरे साथ चलों में तुम्हे सौ एकड़ जमीन का पट्टा दिलाता हूं,जिसके बाद बेटा मेरे से एक हजार रुपये लेकर उसके साथ चला गया और शाम तक घर वापस नहीं आया, फोन लगाने पर भी बात नहीं हो पाई जिसके बाद छोटे बेटे ने पुलिस वाले को फोन लगाया तो उसने बताया कि अभी लांजी में है।जिसके बाद उसने बड़े बेटे से बात कराने की बात कहीं, बात करने पर भाई ने बताया कि मुझे टार्चर किया जा रहा है शराब पिलाकर नक्सलियों से संबंध होने की बात कबूल करने को कह रहे है और कह रहे है कि तू नक्सलियों के साथ मिला है। उन्हें सामान पहुंचाता है। जिसके बाद चार जुलाई की सुबह करीब दस बजे दस वाहनों में 30 से 40 पुलिसकर्मी आए और घर में जबरन घुसकर पूरी घर की तलाश लेने लगे। उन्हें घर पर नक्सली सामग्री नहीं मिली उसी दिन शाम फिर से पुलिस वाले आए और घर के अंदर घुस गए और घर के अंदर किसी को नहीं जाने दिया और घर के अंदर पेटी से सभी सदस्यों को दस्तावेज लेकर चले गए जिसके बाद मेरे पति को घर लेकर आए और उनके साथ दो लड़कों को जंगल लेकर गए और बेटे से बोले की नक्सली सामग्री बरामद हुई ऐसा कहकर गवाही में हस्ताक्षर करवा लिए है।

पुलिस ने जारी की प्रेसनोट बताया नक्सली समर्थक

उधर इसी मामले को लेकर देर शाम प्रेस नोट जारी करते हुए पुलिस ने नैनसिंह धुर्वे को नक्सली का सहयोगी बताते हुए उसे गिरफ्तार कर उसपर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की बात कही है।पुलिस के अनुसार बीते दिनों पचामा दादर-कटेझिरिया के जंगल में नक्सलियों से हुई मुठभेड़ के बाद जंगलों में सर्चिंग जारी थी। नक्सलियों की तलाश की जा रही थी। साथ ही नक्सलियों की मदद करने वालों और पूरे ईकोसिस्टम की जानकारी भी जुटाई जा रही थी। इसी दौरान ठाकुरटोला निवासी नैनसिंह धुर्वे की लगातार नक्सलियों को मदद करने और नक्सल विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने की सूचना प्राप्त हो रही थी। जिसके चलते पुलिस ने उस पर नजरें रखी हुई थी। नैनसिंह को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में नैनसिंह ने नक्सल गतिविधियों में शामिल होने की बात स्वीकार की। नैनसिंह ने पुलिस को बताया कि नक्सलियों ने पिछले 6 माह में गांव में तीन से चार बैठकें कर चुके हैं।नक्सलियों की मांग पर सामग्री देता था नैनसिंह पुलिस ने बताया कि नक्सलियों की मांग पर नैनसिंह उन्हें सामग्री उपलब्ध कराता था। पूछताछ में नैनसिंह ने बताया कि आईडी ब्लॉस्ट में उपयोग की जाने वाली कुकर बम्ब बनाने की सामग्री, मल्टीमीटर बैटरी, वायर, ब्राउन टेप, ग्रीस, इलेक्ट्रॉनिक टेप, बोल्ट कटर सहित अन्य सामग्री उपलब्ध कराई है।

एक युवक ने दो साथी के साथ अपने जीजा और उसके पिता से की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी रेल्वे क्रासिंग के पास एक युवक ने दो दोस्तों के साथ अपने जीजा और उसके पिता को हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिये और उन्हें जान से मारने की धमकी दे दी। यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते उस समय हुई जब दोनों पिता पुत्र वारासिवनी थाने से अपने घर लौट रहे थे। मारपीट में घायल युवक मनीष मेश्राम और उसका पिता जियालाल मेश्राम ग्राम धामनगांव थाना रावनवाड़ी जिला गोंदिया निवासी है। जिनका इलाज वारासिवनी अस्पताल में किया गया वहीं वारासिवनी पुलिस ने मनीष पिता जियालाल मेश्राम 23 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके साले जितेंद्र मेश्राम ग्राम हुड़की टोला थाना वारासिवनी निवासी और उसके दो अन्य दोस्तों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष मेश्राम जो अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है। जिसकी शादी 11 मार्च 2024 को सरिता मेश्राम ग्राम हुड़की टोला निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। किंतु शादी के कुछ माह बाद ही सरिता मेश्राम ने अपने पति मनीष मेश्राम के विरुद्ध दहेज मांगने और प्रताड़ति करने का आरोप लगाते हुए वारासिवनी पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। मनीष मेश्राम अपने पिता जियालाल मेश्राम के साथ इसी मामले को लेकर वारासिवनी थाना आए थे और थाने में काम निपटाना के बाद दोनों पिता पुत्र मोटरसाइकिल में अपने गांव धामनगांव जा रहे थे। तभी वारासिवनी में रेलवे लाइन के पास मनीष मेश्राम का साला जितेंद्र मेश्राम अपने साथियों के साथ पहुंचा और मनीष मेश्राम और उसके पिता को अश्लील गालियां देने लगा था।मनीष मेश्राम ने गाली देने से मना किया तभी जितेंद्र मेश्राम ने अपने जीजा मनीष मेश्राम के साथ हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा और उसके साथ आए दो लड़के भी मनीष मेश्राम के पिता जियालाल मेश्राम के साथ मारपीट करने लगे। वहा से आने-जाने वाले लोगों ने बीच बचाव किये। इसके बाद जितेंद्र मेश्राम ने अपने जीजा मनीष मेश्राम और उसके पिता जियालाल मेश्राम को वारासिवनी में दिखाई देने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। जितेंद्र मेश्राम और उसके साथियों द्वारा की गई मारपीट में मनीष मेश्राम और उसका पिता जियालाल मेश्राम चोटिल हो चुके थे जो रिपोर्ट करने के लिए वारासिवनी पुलिस थाना पहुंचे। वारासिवनी पुलिस ने मारपीट में घायल दोनों पिता पुत्र का इलाज मुलाहिजा वारासिवनी ने के अस्पताल में करवाए। और मनीष मेश्राम पिताजी लाल मेश्राम द्वारा की गई रिपोर्ट पर जितेंद्र मेश्राम ग्राम हुड़की टोला थाना वारासिवनी और उसके दो अन्य साथियों के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

दो व्यक्ति को सांप और बिच्छू ने काटा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सांप और बिच्छू से कटने से आहत दो व्यक्ति को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। सांप के काटने से आहत सुरेंद्र पिता सखाराम गोले 27 वर्ष ग्राम खैरटोला पाथरी थाना लालबर्रा और बिच्छू काटने से आहत जय पिता इंद्रजीत विश्वकर्मा 38 वर्ष वार्ड नंबर 19 ग्राम भटेरा बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र गोले खेती किसानी करता है। 4 जुलाई को 11:00 बजे सुरेंद्र गोले कृषि कार्य करने के लिए अपने खेत गया था शाम 6:30 बजे करीब सुरेंद्र गोले अपने खेत में सोडा का छिड़काव कर रहा था। उसी समय अचानक सुरेंद्र गोले के दाहिने पैर की छोटी अंगुली में किसी सांप ने काट दिया। जिसे उसके पिता सखाराम गोले ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इसी प्रकार जय विश्वकर्मा भटेरा बालाघाट निवासी सीमेंट प्लांट रेंगाटोला में काम करता है। 4 जुलाई की रात्रि 9:30 बजे करीब जय विश्वकर्मा रेंगाटोला सीमेंट प्लांट में काम करने के बाद जूता पहन रहा था तभी उसके दाहिने पैर के पंजे में बिच्छू ने काट दिया जिसे उसके साथ ही पंकज कुमार ने वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

छिंदीटोला फिल्टर प्लांट से पाईप लाईन फिटिंग का सामान चोरी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छिंदीटोला स्थित फिल्टर प्लांट से पाईप लाईन फिटिंग का सामान चोरी हो गया। जिसकी कीमत 15000 रुपये बताई गई है। मलाजखंड पुलिस ने इस फिल्टर प्लांट के साइड सुपरवाइजर कोमल वाघमारे ग्राम मोहगांव निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छिंदीटोला में फिल्टर प्लांट गावा रिजॉर्ट के बाजू में स्थित है। इस फिल्टर प्लांट में पाइप लाइन फिटिंग का सामान रखा हुआ था और सामान की देखरेख हेतु खिलेश कुमार यादव छिंदी टोला निवासी को चौकीदारी में रखा गया था। 24 जून की रात्रि 12:30 बजे से 2:00 के बाद बरसात के चलते लाइट बंद होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने पाइप लाइन फिटिंग का सामान चोरी कर लिए। खबर मिलते ही साइड सुपरवाइजर कोमल वाघमारे ,सुपरवाइजर सतीश चौहान के साथ फिल्टर प्लांट पहुंचे। देखे फिल्टर प्लांट में 10 एमएम मोटाई के करीब 1000 फीट मोटाई केबल वायर, 18 नग, एमएस प्लेट और डी आई फिटिंग का सामान नहीं था। इन सामानों को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया। अब तक सुपरवाइजर कौशल वाघमारे सहित अन्य लोग इन उपकरणों की तलाश करते रहे किंतु पता नहीं चला। चोरी गए इन सामानों की कीमत करीब 15000 रुपये बताई गई है। 4 जुलाई को साइड सुपरवाइजर कोमल वाघमारे ने मलाजखंड पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी प्रधान आरक्षक जीतसिंह ठाकुर ने साइड सुपरवाइजर श्री वाघमारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किये। जिसकी जांच की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट